हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com | E-paper-hindidailyweb.in | WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 190 Thursday, 1 May 2025 गुरुवार, 1 मई 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

पीएम मोदी आज मुंबई में करेंगे वेव्स का आगाज; 90 देश और 10 हजार प्रतिनिधि होंगे शामिल

नई दिल्ली(एजेंसी),

वेव्स 2025 चार दिवसीय कार्यक्रम मीडिया और मनोरंजन जगत को साथ लाएगा। वेव्स 2025 की टैगलाइन है 'कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग कंट्रीज'। इसमें 90 से अधिक देशों की भागीदारी होगी, जिसमें 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, 1,000 क्रिएटर्स, 300 से अधिक कंपनियां और 350 से अधिक स्टार्टअप शामिल होंगे।

मुंबई पुलिस की कमान संभालेंगे बिहार के देवेन भारती

- पुलिस कमिश्नर बने, कसाब को फांसी दिलवाने में अहम रोल, सीएम फडणवीस के करीबी

पटना (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा के रहने वाले आईपीएस अधिकारी देवेन भारती मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर बनाए गए हैं। वह वर्तमान कमिश्नर विवेक फणसालकर की जगह लेंगे। 35 साल की नौकरी के बाद फणसालकर आज यानी बुधवार को रिटायर हो रहे हैं। देवेन भारती 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले वे मुंबई के लॉ एंड ऑर्डर में स्पेशल पुलिस कमिश्नर रहे हैं। उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का करीबी माना जाता है। देवेन ने शाम को पद संभाल लिया है। 2014 से लेकर 2019 तक फडणवीस के सीएम कार्यकाल के दौरान भारती जॉइंट पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) के पद पर थे। भारती मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले की जांच में शामिल थे। पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को फांसी दिलवाने में उनका अहम रोल रहा।

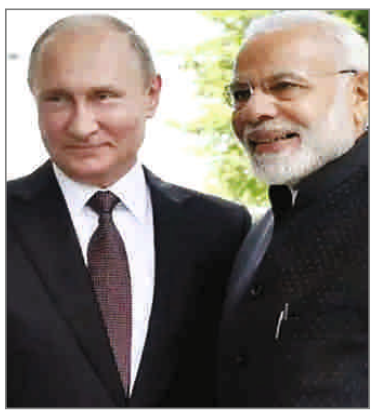

विवेक फणसालकर के रिटायर होने के बाद चर्चा थी कि पद किसे मिलेगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सदानंद दाते, संजय कुमार वर्मा, रितेश कुमार और महिला पुलिस अधिकारी अर्चना त्यागी का नाम भी पुलिस कमिश्नर की रेस में था। 2014 से 2019 के बीच फडणवीस सरकार के कार्यकाल के दौरान देवेन कई अहम पदों पर तैनात रहे थे। वह गढ़चिरौली में एसपी के रूप में भी तैनात थे और बाद में उन्होंने अमरावती और अकोला सहित महाराष्ट्र के कई जिलो में बतौर एसपी सेवाएं दीं।

1998 से 2003 के बीच उन्हें खुफिया विभाग में भी सेवाएं दीं। 29 साल के करियर में भारती ज्यादातर मुंबई शहर में पोस्टेड रहे। 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान, उन्हें कुछ महीनों के लिए संयुक्त आयुक्त आर्थिक अपराध शाखा में ट्रांसफर कर दिया गया और बाद में एटीएस प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया।

रूस दौरे पर नहीं जाएंगे पीएम मोदी

- पुतिन संग विक्ट्री डे परेड में होना था शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के दौरे पर नहीं जाएंगे। रूस ने 9 मई को होने वाले अपने खास समारोह विक्ट्री डे परेड में शामिल होने का न्योता पीएम मोदी को दिया था। यह समारोह द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर जीत की 80वीं सालगिरह के तौर पर मनाया जाता है। उस समय रूस के उपविदेश मंत्री आंद्रे रुडेंको ने बताया था कि इस जश्न के लिए पीएम मोदी को निमंत्रण भेजा जा चुका है। हालांकि, अब जानकारी मिल रही कि पीएम मोदी मॉस्को में होने वाले विक्ट्री डे परेड में शामिल नहीं होंगे। माना जा रहा कि पहलगाम

आतंकी हमले के बाद जिस तरह के हालात हैं उसे देखते हुए ये फैसला लिया गया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी भले ही उपस्थित नहीं होंगे, लेकिन भारत का प्रतिनिधित्व एक अलग राजनयिक प्रतिनिधिमंडल के जरिए किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की जगह कौन इस समारोह में शामिल होंगे। पहलगाम अटैक के बाद भारत और पाकिस्तान में तनाव चरम पर है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को उनके आवास पर हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति यानी सीसीएस की बैठक हुई। यह महत्वपूर्ण बैठक 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा स्थिति और भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी।

पाकिस्तान में युद्ध से पहले भारत के होम वर्क से खौफ

- एयर ट्रैफिक कंट्रोल को हाई अलर्ट पर डाला, निजी एयरलाइंस की कर रहा जांच

नई दिल्ली/इस्लामाबाद (एजेंसी)। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की संभावित प्रतिक्रिया को लेकर हाई लेवल बैठक की है। माना जा रहा है कि भारत, पाकिस्तान पर हमले से पहले होमवर्क कर रहा है। पहलगाम हमले पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक दिन पहले भारत के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की थी और अब सीसीएस की बैठक हुई है। माना जा रहा है कि भारत ने संभावित प्रतिक्रिया को लेकर प्लान बना लिया है और अब उस प्लान को कैसे अंजाम दिया जाए और भारत के हमले के बाद कैसी परिस्थितियां बनेंगी, उसपर रणनीति बनाई जा रही है। गौर करने वाली बात ये है कि एक तरफ जहां पाकिस्तान के रक्षा मंत्री से लेकर विदेश मंत्री और अन्य नेता बार बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, विदेशी नेताओं से बात कर रहे हैं, वहीं भारत सरकार के मंत्री सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि भारत सरकार इस बार किसी भी बातचीत करने के या किसी भी देश को अपना स्टैंड समझाने के मूड में नहीं है। ऐसा लग रहा है कि भारत खुद तय करेगा कि उसे पाकिस्तान के खिलाफ क्या कार्रवाई करनी है और भारत किसी से समर्थन मिले या ना मिले, इसकी परवाह नहीं करेगा। हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के बाद दुनिया के ज्यादातर देश भारत के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं और पाकिस्तान इसी बात से परेशान है। पाकिस्तानी नेताओं की बार बार प्रेस कॉन्फ्रेंस करने और विदेशी मीडिया पर लंबे लंबे इंटरव्यू देने का मकसद यही है, कि किसी भी तरह से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को शामिल कर भारत के खिलाफ युद्ध से बचा जाए। पाकिस्तान भले ही सीना ठोक रहा हो और मुंहतोड़ जवाब देने की बात कर रहा हो।

आलोक जोशी बने एनएसएबी के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। इस बीच, सरकार ने बुधवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया है। पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। यह एक बड़ा

बदलाव है। यह बदलाव तब हुए जब भारत-पाकिस्तान के बीच खींचतान जारी है और उम्मीद की जा रही है कि भारत पहलगाम हमले का ठोस जवाब देगा। बहरहाल, बोर्ड के अन्य सदस्यों में कई बड़े नाम शामिल हैं। पूर्व पश्चिमी वायु सेना कमांडर एयर मार्शल पीएम सिन्हा, पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह और रिटायर्ड एडमिरल मोंटी खन्ना अब बोर्ड का हिस्सा होंगे।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय दास को मिल गई जमानत

- 5 महीनों से जेल में बंद थे, रिहाई अभी तय नहीं, राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का आरोप

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के हाईकोर्ट ने जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को जमानत दे दी है।

चिन्मय दास पिछले 5 महीनों से देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद थे। चिन्मय के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने 23 अप्रैल को हाई कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी।

बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने चिन्मय दास के वकील के हवाले से बताया है कि अभी चिन्मय की रिहाई तय नहीं हुई है। अगर बांग्लादेशी सुप्रीम कोर्ट इस फैसले पर रोक नहीं लगाता है तो चिन्मय दास को रिहा कर दिया जाएगा। चिन्मय दास पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का आरोप है। इस मामले में राजद्रोह का केस दर्ज कर उन्हें 25 नवंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

इससे पहले 2 जनवरी को चटगांव की निचली अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। बांग्लादेश पुलिस ने पिछले साल 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को गिरफ्तार किया था। तब वे चटगांव जा रहे थे।

नीतिश के पार्टनर बीजेपी के साथ तेजस्वी का 'गेम'!

इलेक्शन से पहले राष्ट्रीय प्रगति पार्टी का राजद में कराया विलय

पटना (एजेंसी)। बिहार बीजेपी को इन दिनों उनके आधार वोट बैंक बिखरने का खतरा मंडराने लगा है। लोकसभा चुनाव 2024 में वैश्य और कुशवाहा वोट के बिखरने का काफी असर दिखा। शाहाबाद की चार लोकसभा सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। दरअसल, लोकसभा चुनाव के पहले वैश्य का वोट भाजपा को हर हाल में पड़ता था, चाहे उम्मीदवार किसी भी जाति का हो। लेकिन, अन्य दल के उम्मीदवार अगर वैश्य हो तो भाजपा का 'टेकेन फॉर ग्रांटेड वैश्य वोट' बंटने लगा है। अब तक तो भाजपा वैश्य वोट के

बिखराव के संकट से गुजर रही थी लेकिन एक वैश्य आधारित पार्टी ने राजद में विलय कर बीजेपी की चिंता बढ़ा दी है। कल ही वैश्य नेताओं यानि रंजना साहू, नरेन्द्र साहू, अरुण गुप्ता जैसे वैश्य नेताओं की राष्ट्रीय प्रगति पार्टी ने राजद में विलय कर भाजपा को अनजाने थ्रेट के प्रति सचेत कर गया। मिली जानकारी के अनुसार अमरकांत साहू ने अपने समर्थकों की उपस्थिति में अपनी पार्टी का विलय राष्ट्रीय जनता दल में किया। इस मौके पर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने व्यवसायी वर्ग से आग्रह किया कि वे सरकार बनाने में मदद करें। वे नया बिहार बनाकर देंगे। भयमुक्त वातावरण देंगे। समाज को जोड़ने में आप सभी लोग सहयोग करें। इतना भर नहीं, राजद को तेली समाज के विधायक और पार्टी के प्रदेश महासचिव रणविजय साहू का भी साथ प्राप्त है। वैश्य में सबसे ज्यादा वोटर तेली समाज के हैं और इनकी तेली जाति पर काफी पकड़ है। अपनी इस जातीय समीकरण को साध कर मोरवा से विधायक बने हुए हैं।

देश में जाति जनगणना कराएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए आगामी जनगणना के साथ जातिगत गणना कराने का निर्णय लिया है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट ब्रीफिंग में बताया कि सरकार ने जनगणना के दौरान जातियों की गणना को शामिल करने का निर्णय लिया है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज फैसला किया है कि जातिगत गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाएगा। यह कदम सामाजिक समावेशिता और नीतिगत योजनाओं को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण होगा। जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा जाति जनगणना का विरोध किया है। 2010 में दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि जाति जनगणना के मामले पर कैबिनेट में विचार किया जाना चाहिए। इस विषय पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था।

लोकसभा चुनाव बाद पहली बार अमेठी पहुंचे राहुल गांधी

- भाजपा का प्रदर्शन, पुलिस से धक्का-मुक्की, पोस्टर लगे-आतंक का साथी

अमेठी (एजेंसी)। राहुल गांधी के यूपी दौरे का बुधवार को दूसरा दिन है। वह लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार अमेठी पहुंचे हैं। यहां ऑर्डनेंस फैक्ट्री का निरीक्षण किया। इसके बाद संजय गांधी अस्पताल में ओपन हार्ट सर्जरी ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया। इधर, राहुल के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता ऑर्डनेंस फैक्ट्री की ओर बढ़ रहे थे, उन्हें पुलिस ने रोक लिया। इस पर भाजपाई भड़क गए। उनकी पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। सुबह राहुल के खिलाफ जिला कांग्रेस ऑफिस, बस अड्डे समेत 20 जगहों पर 3 तरह के पोस्टर लगाए गए। पहले में राहुल की फोटो के साथ लिखा है- आतंक का साथी राहुल गांधी। दूसरे में राहुल, पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला और महाराष्ट्र के नेता विजय वडेट्टीवार की फोटो लगी है। इसमें लिखा है- इंडी गठबंधन का हाथ पाकिस्तान के साथ। तीसरे पोस्टर में गुलाम नबी आजाद, लश्कर आतंकी हाफिज सईद और सैफुद्दीन सोज की फोटो

लगी है। इसमें लिखा है- कांग्रेस आतंकियों और पाकिस्तान की भाषा बोल रही है। क्या राहुल और उनकी पार्टी पाकिस्तान और आतंकवादियों का एजेंडा आगे बढ़ा रही। हालांकि, यह पोस्टर किसने लगवाए। यह अब तक स्पष्ट नहीं है। अमेठी पुलिस ने सभी पोस्टर्स को हटा दिया है। सीसीटीवी चेक किए जा रहे हैं कि ये पोस्टर किसने और कब लगाए हैं। अमेठी से राहुल पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के घर भी गए।

विशाखापट्टनम में बड़ा हादसा, 8 लोगों की मौत

बारिश से नरसिंह स्वामी मंदिर की दीवार गिरने से हुआ हादसा, 4 घायल

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में मंगलवार रात श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर की दीवार का 20 फीट लंबा हिस्सा गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई और 4 घायल हो गए। मंदिर में चंदनोत्सव चल रहा था। यह हर साल मनाया जाता है। इसमें हजारों श्रद्धालु भगवान नरसिंह के

दर्शन के लिए आते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा देर रात 2.30 से 3.00 बजे के बीच तेज बारिश के कारण हुआ। कलेक्टर हरेंद्र प्रसाद ने बताया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू पूरा कर लिया है। राज्य की गृह और आपदा प्रबंधन मंत्री वंगलापुड़ी अनिता भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं।

होटल में लगी आग, 15 की मौत

- कोलकाता में हादसा, 22 लोगों को बचाया, छत-खिड़की से कूदते नजर आए लोग

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के फलपट्टी मछुआ इलाके में मंगलवार रात एक होटल में आग लगने से 15 लोगों की मौत और 13 लोग घायल हो गए। आग पर काबू पा लिया गया है। 22 लोगों को बचाया गया। पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में 2 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। वहीं, 12 पुरुष मृतकों में से 8 की पहचान कर ली गई है। पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने बताया- आग ऋतुराज होटल में रात करीब 8.15 बजे लगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव का काम शुरू किया। अब तक 14 शव निकाले जा चुके हैं। हादसे की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है।

शुरुआती जांच में पता चला है कि होटल की चौथी मंजिल पर लगे बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने बताया कि जान बचाने के लिए कई लोग होटल की छत और खिड़कियों से कूदते नजर आए। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। पीएम ने कहा, लोगों की मौत की खबर से बहुत दुखी हूं। यही कामना है, घायल जल्द ठीक हों। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को ?50,000 की सहायता राशि दी जाएगी। बंगाल भाजपा अध्यक्ष बोले- सरकार जरूरी सहायता पहुंचाए केंद्रीय मंत्री और बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हादसे पर दुख जताया। साथ ही कहा- मैं राज्य प्रशासन से आग्रह करता हूं कि प्रभावित लोगों को तुरंत बचाया जाए।

दिल्ली में लगेगी बोडो नेता उपेंद्रनाथ ब्रह्मा की प्रतिमा

- सड़क भी उन्हीं के नाम पर होगी, गृहमंत्री शाह कल करेंगे इनॉगरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को नई दिल्ली के कैलाश कॉलोनी में बोडो नेता उपेंद्र नाथ ब्रह्मा के सम्मान में सड़क और प्रतिमा का इनॉगरेशन करेंगे। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने दक्षिण दिल्ली में लाला लाजपत राय मार्ग के एक हिस्से का नाम बदलकर बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा मार्ग करने का निर्णय लिया है। फादर ऑफ बोडो पीपुल्स के रूप में जाने जाने वाले बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा एक महान नेता और समाज सुधारक थे, जिन्होंने बोडो समुदाय के अधिकारों, पहचान और उत्थान के लिए कई प्रयास किए। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगी। साथ ही बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोरो, दिल्ली के मेयर राजा

इकबाल सिंह, असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, बोडोलैंड के कल्याण मंत्री उरखाओ ग्वारा ब्रह्मा, एबीएसयू के अध्यक्ष दीपेन बोरो आदि भी मौजूद रहेंगे। कैलाश कॉलोनी मेट्रो स्टेशन के पास स्थित 835 मीटर-50 फीट चौड़ी सड़क है, जो बोडोलैंड गेस्ट हाउस के बगल से होकर गुजरती है। इस सड़क को ही अब बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा मार्ग कहा जाएगा। इसके साथ ही, कैलाश कॉलोनी गोल चक्कर पर बोडोफा की एक प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। असम सरकार की तरफ से बोडो नेता की 35वीं पुण्यतिथि पर इस समारोह का आयोजन किया जाएगा। ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन के अध्यक्ष दीपेन बोरो ने कहा, बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा ने अपना जीवन एक समावेशी समाज के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया।

संपादकीय | पहलगाम के बाद पाकिस्तानी साजिशें तेज

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी से यह शक गहरा होता है कि उसकी साजिश में कहीं न कहीं उसका हाथ है। पहलगाम हमले के बाद जिस तरह भारत में आक्रोश है और सरकार पर कोई बड़ी कार्रवाई करने का जन-दबाव बन रहा है, उसे देखते हुए पाकिस्तान में घबराहट है। उसने घटना के बाद सीमा पर हवाई गश्ती और चौकियों पर सैनिक दस्ते बढ़ा दिए। हालांकि वह लगातार कह रहा है कि उस हमले में उसका कोई हाथ नहीं था, उसकी जांच की पेशकश भी कर रहा है, परवहां की सेना जिस तरह बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रही है, उससे जाहिर है कि वह भारतीय सैनिकों को उकसाने की कोशिश कर रही है। पहलगाम हमले के बाद से वह चार बार गोलीबारी कर चुकी है। हालांकि आमतौर पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की जाती है, तो उसका यही मतलब होता है कि दुश्मन देश सीमा पर अपने सैनिकों की मुस्तैदी का संकेत दे रहा है। बताने का प्रयास कर रहा है कि वह किसी भी तरह की चुनौती से निपटने को तैयार है। मगर पाकिस्तानी सेना साजिशन ऐसा करती है। अक्सर वह अपने प्रशिक्षित आतंकवादियों को भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने के मकसद से इस तरह गोलीबारी करती है। इस तरह वह अनेक बार संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर चुकी है।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी से यह शक गहरा होता है कि उसकी साजिश में कहीं न कहीं उसका हाथ है। यह छिपी बात भी नहीं है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने में मुख्य रूप से पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजंसी का हाथ है। इसके अनेक प्रमाण मौजूद हैं। भारत सरकार अनेक

आतंकी हमलों से जुड़े प्रमाण पाकिस्तान सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सौंप चुकी है। मगर पाकिस्तान हर दस्तावेज को सिरे से खारिज करता रहा है। वह खुद दहशतगर्दी के गहरे जख्म झेल चुका है, परइस पर नकेल इसलिए नहीं कस पाता कि वहां निर्णय करने का कोई व्यवस्थित तंत्र नहीं है। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत के ऊपर अपना वर्चस्व बना लिया है।

इसलिए सरकार के स्तर पर लिया गया कोई भी निर्णय सेना अपनी मर्जी से स्वीकार या अस्वीकार करती है। दरअसल, आतंकवाद को वहां की सेना ने अपना हथियार बना लिया है और उसका इस्तेमाल वह मुख्य रूप से भारत के खिलाफ करती रही है। ऐसा लगता है कि इसी से उसका वजूद बचा और बना हुआ है।

वह भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां चला कर उकसाने और सीमा पर तनाव बनाए रख कर पाकिस्तानी अवाम को बरगलाने में कामयाब होती रही है। आतंकवाद और भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्ते पाकिस्तान सरकार को भी रास आते हैं। इस तरह वह बुनियादी समस्याओं की तरफ से वहां के लोगों का ध्यान भटकाने में कामयाब हो जाती है। पाकिस्तान पूरी तरह से विफल राष्ट्र है। उसकी माली हालत निहायत खस्ता हो चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं दुर्दशा झेल रही हैं।

लोगों को दो जून की रोटी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। उधर बलूचिस्तान के विद्रोही संगठन रोज उसे गंभीर चुनौती पेश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ सीमा पर तनाव से बुनियादी समस्याओं पर कुछ समय के लिए पर्दा पड़ जाता है। मगर इस तरह वहां की सरकार बहुत लंबे समय तक अपनी कमजोरियों को ढंक कर नहीं रख सकती। फिर, चीन से उसे जो मदद मिल रही है, वह स्थायी नहीं है। अपना स्वार्थ सधते ही वह अपना हाथ खींच लेगा।

विकास की सड़कें पर क्यों लहूलुहान हो रही जिंदगी?

यह छिपा नहीं है कि राजमार्ग या लंबी दूरी वाले एक्सप्रेस-वे ने लोगों की यात्रा को आसान और समय बचाने वाला बनाया है, मगर इसके साथ-साथ ऐसी सड़कों पर होने वाले हादसे और उसमें मरने वालों की दर भी तेजी से बढ़ी है। इसमें दोराय नहीं कि अच्छी और निर्बाध सड़कें विकास के लिए अनिवार्य मानक हैं। पर ऐसी सड़कें अगर रफ्तार के बरक्स सफर करने वालों की जिंदगी को जोखिम में डालने का खतरा बनती हैं, तो इसका मतलब है कि ऐसी सड़कों पर बचाव के उपायों का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा गया है। यह छिपा नहीं है कि राजमार्ग या लंबी दूरी वाले एक्सप्रेस-वे ने लोगों की यात्रा को आसान और समय बचाने वाला बनाया है, मगर इसके साथ-साथ ऐसी सड़कों पर होने वाले हादसे और उसमें मरने वालों की दर भी तेजी से बढ़ी है। सोमवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर सड़क हादसों में इतने लोगों की जान जा रही है, तो बड़े-बड़े राजमार्गों के निर्माण का क्या उद्देश्य है। अदालत ने केंद्र सरकार से सड़क हादसों में नकदीरहित इलाज की योजना के अब तक लागू न होने को लेकर भी सवाल पूछे। अव्वल तो सड़क सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है, चाहे उसके लिए नियम-कायदे बनाना हो या फिर लोगों के भीतर जिम्मेदारी से वाहन चलाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाना। दूसरे, अगर किन्हीं हालात में हादसे होते हैं तो उसके बाद हताहतों के जीवन को बचाना सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। यह तथ्य है कि सड़क दुर्घटना में अगर कोई घायल हो जाता है तो उसके बाद के एक घंटे का वक्त यानी 'गोल्डन आवर' उसके जीवन के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण होता है। इस अवधि में अगर उसे उचित इलाज मिल जाए तो उसकी जान बच सकती है। मगर हकीकत यह है कि लंबी दूरी के राजमार्गों या एक्सप्रेस-वे तो बना दिए गए हैं, लेकिन हादसे की स्थिति में घायलों को समय पर इलाज मुहैया कराने के लिए अस्पताल की व्यवस्था से लेकर वहां पहुंचाए जाने के जरूरी इंतजामों की अनदेखी की जाती है।

आज का कार्टून

पाक के खिलाफ कूटनीतिक एवं रणनीतिक दबाव जरूरी

दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया।

ललित गर्ग

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, ढहती अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढकने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिन्दू और भारत विरोध को ढाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं। लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरु कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरु कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है। इस घिनौनी सोच का पर्दाफाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया।

लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वर भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूबों के लिये इस्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इस्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े है। दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहचाने की नीति पर वह आज भी कायम है। भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं। भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पडोसी देश-धर्म के प्रयासों का जबाव उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मुड़ में है। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसले वाले महानायक है। पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है। इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाडी चलाता हुआ दिख रहा है। चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता। ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया भी बदल जाता है। लेकिन इस बार चीन के सामने भारत का लुभावना बाजार है, इसके चलते वह पाकिस्तान का खुला समर्थन करेगा, इसमें शंका है। पाकिस्तान का एकमात्र बड़ा सहारा चीन भी उससे दूरी बना ले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पाकिस्तान को वह हमेशा भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी। मोदी सरकार के लिए यह दिखाना जरूरी हो गया है कि वो इस मामले को लेकर वाकई गंभीर है। जैसे-जैसे पर्यटकों के शव उनके परिवारों तक पहुंच रहे हैं और उनके अंतिम संस्कार के भावुक एवं मार्मिक दृश्य प्रसारित हो रहे हैं- सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। लोगों का गुस्सा खासतौर पर इस तथ्य से और बढ़ गया है कि आतंकवादियों ने पहले पुरुषों का धर्म जानना चाहा और उन्हें उनके परिवार के सामने गोली मार दी। पहलगाम घटना ने कश्मीरकी रोजी-रोटी पर आंच पहुंचायी है, वहां की शांति को लीला है। यही कारण है कि पहलगाम हत्याकांड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के आम लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन किया है। राज्य में बंद रहा, लोगों ने विरोध मार्च निकाले और यहां तक कि कश्मीर के प्रमुख समाचार पत्रों ने विरोध के तौर पर अपने मुखपृष्ठ को स्याह रंग से पोत दिया।

आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। क्योंकि तब हम केवल उस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों का मकसद है- भारत को विभाजित करना। भारत की एकता, कश्मीर की शांति एवं विकास एवं आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिये अब पाकिस्तान को केवल सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनयिक एवं वैश्विक दबाव से पंगु बनाना होगा। पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। सिंध एवं बलूचिस्तान अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं, आजाद कश्मीर को भारत में मिलाने की जरूरत है। इस रणनीतिक एवं कूटनीतिज्ञ उद्देश्य के लिये एक दूरगामी, बहुआयामी एवं निर्णायक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसकी पहल लक्षित सर्जिकल स्ट्राइक और प्रमुख आतंकी संगठनों को मिटाकर आतंकी केन्द्रों को ध्वस्त करके ही हो सकती है।

वैश्विक जगत भारत के साथ वहीं भारत के विरोधी दल देश के गुनाहगारों के साथ

उत्तर प्रदेश में समाजवादी मुखिया अखिलेश यादव को राज्य में मुस्लिम तुष्टिकरण और पीडीए राजनीति की चिंता है और यही कारण है कि वे कहते हैं कानपुर के शहीद शुभम द्विवेदी के परिवार से उनका कोई संबंध नहीं है और उनके घर जाने का उनके पास समय नहीं हैं।

मृत्युंजय दीक्षित

कश्मीर घाटी के पहलगाम हमले में 26 निहत्थे निर्दोष पर्यटकों की धर्म पूछकर और कलमा न पढ़ पाने पर की गई नृशंस हत्याओं के बाद, देश में आतंकवाद के खिलाफ भीषण आक्रोश है। देश का जन जन पाकिस्तान से बदला लेने के लिए तड़प रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले बिहार की मधुबनी रैली में और फिर 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में देश को विश्वास दिलाया है कि पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा तथा पाकिस्तान को ऐसा दंड दिया जाएगा जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की होगी। आतंकवादी घटनाओं के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि देश के गृहमंत्री तुरंत अपने सभी कार्यक्रम रद्द करके घटनास्थल पहुंचे और पीड़ितों के साथ खड़े रहे। इस घटना के बाद से भारत के आतंकवाद से निपटने के निर्णय को विश्व के सभी प्रमुख देशों ने अपना पूर्ण समर्थन दिया है। लगभग पूर्ण वैश्विक समुदाय संकट की इस घड़ी में भारत के साथ खड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के विरोधी दलों की स्थिति इसके पूर्णतया विपरीत है। भारत सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तो विपक्ष ने सरकार का साथ देते हुए पहलगाम हमले की निंदा की तथा सरकार के निर्णयों का पूर्ण समर्थन देने की बात की किन्तु कुछ ही घंटों में इनके तेवर बदल गए और ये वापस अपनी तुष्टीकरण की राजनीति में लग गए। स्वाभाविक रूप से इनके पाकिस्तान परस्त एजेंडा का नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही है जिसने अपनी सोशल मीडिया टीम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध अत्यंत निंदनीय कैम्पेन आरम्भ किया है। कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी एक ताजा मीम में प्रधानमंत्री का शीर्ष रहित स्केच दिखाया गया है। कांग्रेस सहित विपक्ष के सभी नेता और प्रवक्ता टीवी चैनलों तथा सार्वजनिक मंचों पर जिस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं उससे स्पष्ट है इनको देश से कोई मतलब नहीं है बस अपने वोट बैंक को खुश करना है भले ही देश की सुरक्षा को दांव पर क्यों न लगाना पड़े।

आज कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद और आम आदमी पार्टी के प्रवक्ताओं की बयानबाजी कर रहे हैं इन नेताओं के गिरे हुए स्तर का प्रमाण है। पाकिस्तानी माडिया व यूटूबर्स विरोधी दलों के इन्हीं नेताओं के बयानों को आधार मानकर भारत के खिलाफ प्रोपोगैंडा चला रहा है। सबसे पहले गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा जिस पर आर्थिक भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है उसने आपत्तिजनक बयान दिया फिर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया जो मुस्लिम तुष्टीकरण और जातिवाद की राजनीति में गले तक फंसे हैं ने कहा कि इस समय पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई आवश्यकता नही है। कर्नाटक सरकार के ही एक मंत्री ने कहा कि आतंकियो ने धर्म पूछ कर हत्याएं नहीं की हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता और विधायक विजय वडेटटीवार ने पीड़ितों की गवाही पर ही प्रश्न खड़े कर दिए। उनका कहना है कि क्या आतंकवादियों के पास लोगों को गोली मारने से पहले उनका धर्म पूछने का समय होता है। उनसे पहले बिलकुल यही टिप्पणी कर्नाटक के मंत्री आरबी थिम्मापुर ने की थी। जब जनता में इन विधायकों के खिलाफ आक्रोष बढ़ा तब ये अपने बयान से पलट गए। उधर कांग्रेस नेता सैफुद्दीन सोज अनगर्ल बयानबाजी कर चुके हैं। कांग्रेस का पूरा आईटी सेल अपनी गालीबाज प्रवक्ता के नेतृत्व में अनर्गल प्रलाप कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी मुखिया अखिलेश यादव को राज्य में मुस्लिम तुष्टिकरण और पीडीए राजनीति की चिंता है और यही कारण है कि वे कहते हैं कानपुर के शहीद शुभम द्विवेदी के परिवार से उनका कोई संबंध नहीं है और उनके घर जाने का उनके पास समय नहीं हैं। वहीं सरकार को घेरने के लिए बलिदानियों को 10-10 करोड़ का मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं और भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। स्मरणीय है कि ये यह वही अखिलेश यादव हैं जो माफिया मुख्तार और अतीक अहमद के घर जाकर मर्सिया पढ़ते हैं। यह वही अखिलेश यादव हैं जिन्होंने 2012 से 2017 के मध्य संविधान को दरकिनार रखते हुए आतंकवादियों की रिहाई का हरसंभव प्रयास किया था। यही नहीं भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने पहलगाम की दुखद घटना की निंदा तो नहीं की लेकिन जब भारत सरकार ने सिंधु नदी जल समझौता स्थगित किया तब उसके पेट में दर्द होने लगा । ज्ञातव्य है कि पाकिस्तानी नागरिकों को सीमा पर छोड़ने वाली एक गाड़ी पर इनकी यूनियन का नाम लिखा था। टिकैत ने यहां तक कह दिया कि पहलगाम के आतंकी सीमा पार नहीं सब यहीं पर छुपे हुए हैं। स्पष्ट है टिकैत पाकिस्तानी मीडिया का नायक बनना चाहता है, लेकिन क्यों?

पाकिस्तान टीवी पर भारत के विरोधी दलों के नेताओं के बयान चल रहे हैं। पाकिस्तान के बड़े एक्स अकाउंट इनको कोट रहे हैं। आज देश कांग्रेस से सवाल पूछ रहा है कि उनके और पाकिस्तानी मंत्रियों के बयानों में इतनी समानता क्यों हैं? अचानक सिद्धारमैया सहित कांग्रेस व विरोधी दलों के नेता पाकिस्तानी मीडिया के प्रिय बन गये हैं। ये लोग जो अभी सर्वदलीय बैठक में सरकार के साथ होने का मुखौटा लगे थे इनका मुखौटा देश के जनमानस के समक्ष उतर चुका है। संभवतः यह लोग अपनी तुष्टीकरण की राजनीति की समाप्ति की आशंका से भयभीत हो गये हैं अगर युद्ध के बाद पाकिस्तान चार टुकड़ों में विभाजित हो गया और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवाद का सफाया करने में सफल हो गई तब इन दलों की राजनीति का क्या होगा ? यही कारण है कि यह सभी दल पाकिस्तान व आतंकियों के लिए लगातार कवर फायर कर रहे हैं। मुस्लिम तुष्टिकरण में अंधे इन दलों के नेताओं को यह नहीं पता कि जनता उनकी प्रत्येक गतिविधि को देख रही है।

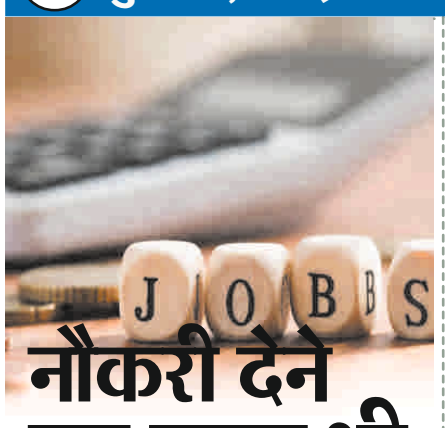

नौकरी देने का काम भी करता है एमेजॉन

दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स वेबसाइट एमेजॉन के बारे में तो सभी जानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एमेजॉन लोगों को नौकरी देने का काम भी करता है। भारत देश में भी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एमेजॉन की नौकरी अवेलेबल हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स वेबसाइट एमेजॉन के बारे में तो सभी जानते हैं। यह दुनियाभर में शॉपिंग के लिए सबसे जाना-माना और फेमस ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। दुनियाभर से कई सारे लोग इस शॉपिंग एप्प से शॉपिंग करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एमेजॉन लोगों को नौकरी देने का काम भी करता है। भारत देश में भी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एमेजॉन की नौकरी अवेलेबल हैं। वहीं इनमें से एमेजॉन एक ऐसी भी नौकरी देता है। जिसमें आपको पूरा दिन नौकरी करने की जरूरत नहीं है। आपको सिर्फ दिन के 4-5 घंटे ही काम करना होगा। जिसके बदले में आपको 60-90 हजार रुपए तक की सैलरी उठाने का मौका मिलेगा। तो ऐसे में अगर आप भी नौकरी की तलाश में हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप एमेजॉन में कैसे सिर्फ कुछ घंटे काम कर हजारों रुपए कमा सकते हैं।

जानिए कैसे कमाएं

आपको बता दें कि इसमें डिलीवरी बॉय की नौकरी कर आप महीने में 60-90 हजार रुपए तक आराम से कमा सकते हैं। इसमें आपको शॉपिंग करने वाले कस्टमर्स के पास उनका पैकेज डिलीवर करना होगा। डिलीवरी बॉय एमेज़ॉन के वेयरहाउस से कस्टमर्स के घर तक पैकेज को सही सलामत डिलीवर करना होता है। वहीं डिलीवरी रेंज 10-15 किमी के बीच होती है। जिसमें बहुत अधिक समय नहीं लगता है। यानी की आप सिर्फ दिन के 4-5 घंटे काम कर 100 से 150 पैकेज डिलीवर कर सकते हैं। वहीं एमेजॉन कंपनी की तरफ से एक डिलीवरी पर 20 रुपए दिए जाते हैं। ऐसे में अगर आप एक दिन में 100 पैकेज डिलीवर करते हैं। तो आपकी एक दिन की कमाई 2000 रुपए होगी। इस तरह से आप महीने में 60,000 रुपए कमा सकते हैं। वहीं एक दिन में 150 पैकेज डिलीवर करने पर आप दिन में 3,000 तो वहीं महीने में 90,000 रुपए तक कमा सकते हैं।

जानिए कैसे करें अप्लाई

- डिलीवरी बॉय की नौकरी के लिए सबसे पहले आप इसके ऑफिशियल वेबसाइट पर क्लिक कर जॉब के लिए अप्लाई करें।
- फिर अपनी डिग्री, मार्कशीट, खुद की गाड़ी का प्रूफ, ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी के पेपर आदि सबमिट करें।
- इसके बाद आपको डिलीवरी के दौरान ध्यान रखने वाली सभी बातों के बारे में बताया जाएगा और ट्रेनिंग दी जाएगी।
- यह प्रोसेस पूरा होने के बाद आप नौकरी करना शुरूकर सकते हैं।
- हालांकि डिलीवरी के दौरान होने वाला पेट्रोल-डीजल का खर्चा आपको खुद ही उठाना पड़ता है।

कैसे बनाएं फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर?

फिल्म में करियर बनाने का सपना कई लोगों का होता है। अगर आप भी फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर बनाना चाहती हैं तो इसके लिए जरूरी है कि आपको कुछ जानकारी जरूर होनी चाहिए।

कई लोगों का फिल्म देखना पसंद होता है तो वहीं कुछ लोग यह चाहते हैं कि वह भी फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर बना पाएं। आप आसानी से इस ग्लैमर्स इंडस्ट्री में अपना करियर बना सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको यह डिसाइड करना चाहिए कि आप फिल्म इंडस्ट्री में किस फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं। इसके बाद आप धीरे-धीरे उस फील्ड में काम को सीख कर अपना करियर बना सकती हैं।

इन कोर्स में करें अप्लाई

- एक्टिंग कोर्स
- फिल्म निर्देशक कोर्स
- फिल्म प्रोडक्शन कोर्स
- सॉउंड रिकॉर्डिंग एंड इंजीनियरिंग
- वीडियो प्रोडक्शन
- विजुअल कम्युनिकेशन
- सिनेमेटोग्राफी
- लाइटनिंग एंड कैमरा
- वॉइस ओवर आर्टिस्ट

कला निर्देशन/सेट डिजाइनिंग

आप जिस भी फील्ड में कोर्स करती हैं उसमें आपको के विषय बारे में बेहतर तरह से बताया जाता है और आप कोर्स करने के बाद किसी टीवी शो या फिर फिल्म में इंटर्नशिप कर सकती हैं। फिल्म इंडस्ट्री में हर कोर्स की फीस अलग-अलग होती है। आपको बता दें कि यह फीस लगभग 80,000 रुपये से लेकर 1, 50,000 रुपये प्रतिवर्ष तक होती है। इन पाठ्यक्रमों की समय अवधि 6 माह से दो वर्ष तक की होती है।

किस कॉलेज से करें पढ़ाई?

अगर आप इन कोर्स को करना चाहते हैं तो आप इन कॉलेज में अप्लाई कर सकती हैं।

- फिल्म इंस्टीट्यूट, पुणे
- नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली
- सत्यजीत रे फिल्म इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- दिल्ली फिल्म इंस्टीटयूट, नई दिल्ली
- एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, नोएडा
- सुभाष घई की व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल
- अनुपम खेर की एक्टर प्रिपेयर्स इंस्टीट्यूट

इनके अलावा भी तमाम तरह के कोर्स फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए संचालित किए जाते हैं। आपको जिस भी सेक्टर में रुचि हो उसमें एडमिशन ले सकती हैं। अगर इंटर्नशिप के दौरान आपने अच्छा परफॉर्म करती हैं तो आपको इस दौरान जॉब ऑफर हो सकती है।

अगर एक्टिंग में है इंटरेस्ट

अगर आप फिल्मों में अभिनय करना चाहती हैं तो आपको एक्टिंग कोर्स पूरा करना होगा। इस कोर्स को अगर आप किसी अच्छे कॉलेज से करती हैं तो वह आपके लिए ज्यादा बेहतर होगा क्योंकि वहां पर आप प्रैक्टिकली चीजों को समझ पाएंगी और अच्छे कॉलेज या फिल्म इंस्टीट्यूट में आपको फिल्में या शो भी ऑफर किए जाते हैं। जिसमें आप काम कर सकती हैं और अपनी एक्टिंग की स्किल्स को बेहतर बना सकती हैं। इस फील्ड में आपके पास जितना ज्यादा एक्सपीरियंस होगा आपका करियर उतना बेहतर होने की संभावना होती है।

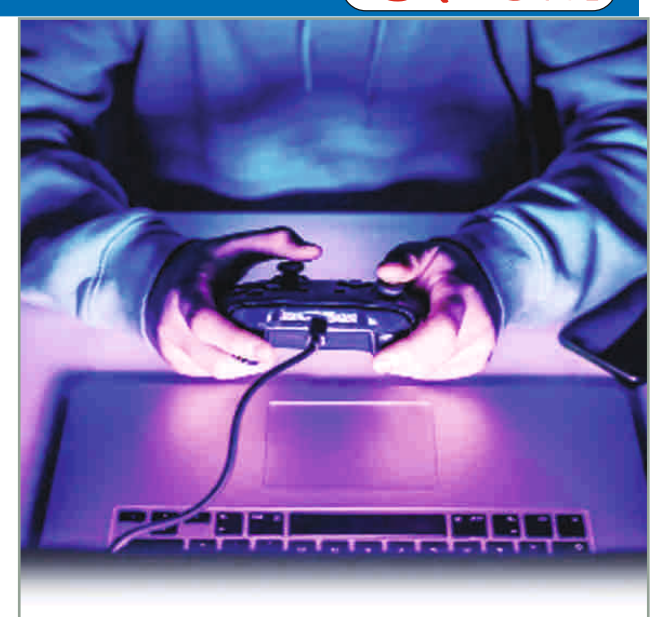

गेमिंग इंडस्ट्री में नौकरी के मिलेंगे बेहतरीन अवसर

समय के साथ ही कोर्सेज और नौकरी के अवसरों में काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे में आप गेमिंग इंडस्ट्री में भी अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आप 12वीं के बाद एनीमेशन, गेम राइटर, गेम डिजाइनिंग या गेम डेवलपर कोर्स कर सकते हैं।

आजकल के युवा अपने कॅरियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। लेकिन बता दें कि इंजीनियरिंग और मेडिकल के अलावा भी कई ऐसे कोर्सेज हैं, जिनको करने के बाद आप अपने कॅरियर को नई उड़ान दे सकते हैं। साथ ही इन कोर्स को करने में कम पैसा खर्चा होता है। साथ ही इन कोर्स को करने के बाद आप जॉब के अलावा अपना खुद का बिजनेस भी शुरूकर सकते हैं। आपको बता दें कि समय के साथ ही कोर्सेज और नौकरी के अवसरों में काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे में आप गेमिंग इंडस्ट्री में भी अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं। आज के दौर में न सिर्फ बच्चे बल्कि बड़े लोगों के बीच भी गेम खेलने का शौक देखने को मिलता है। इस दौर में हर कोई ऑनलाइन गेम खेलना पसंद करता है। जिसके कारण यह फील्ड अरबों डॉलर का हो गया है। ऐसे में अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जो रोजाना कई घंटे गेम खेलते हुए अपना समय कंप्यूटर या मोबाइल पर बिताते हैं। ऐसे में आप भी इस फील्ड में कॅरियर बनाकर अच्छी सैलरी उठा सकते हैं। आपको बता दें कि आप 12वीं के बाद एनीमेशन, गेम राइटर, गेम डिजाइनिंग या गेम डेवलपर कोर्स कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस फील्ड में जाना चाहते हैं। तो आप किसी भी यूनिवर्सिटी या संस्थान से गेमिंग में डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और स्नातक की डिग्री का कोर्स कर सकते हैं।

यहां हैं जॉब ऑप्शन

हांलाकि अब गेमिंग इंडस्ट्री में कॅरियर बनाना काफी आसान हो गया है। ऐसे में आप भी ऊपर बताए गए कोर्स को करने के बाद इस फील्ड में अपना भविष्य बना सकते हैं। इस फील्ड में आप गेम डिजाइनर, एनिमेटर, ऑडियो प्रोग्रामर, ग्राफिक प्रोग्रामर, गेम प्रोड्यूसर, स्पोर्टस प्रोफेशनल्स, मैनेजर्स, कास्टर्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसस बन सकते हैं। इसके अलावा आजकल मॉल्स आदि में भी गेम जोन बने होते हैं। जिनसे अच्छी खासी कमाई की जा सकती है।

कोर्स

- बीए (ऑनर्स) कंप्यूटर गेम्स डिजाइन
- बीएससी इन एनीमेशन एवं गेमिंग
- यूआइ/यूएक्स डिजाइनिंग
- बीएससी इन गेमिंग
- बीएससी इन एनिमेशन गेम डिज़ाइन

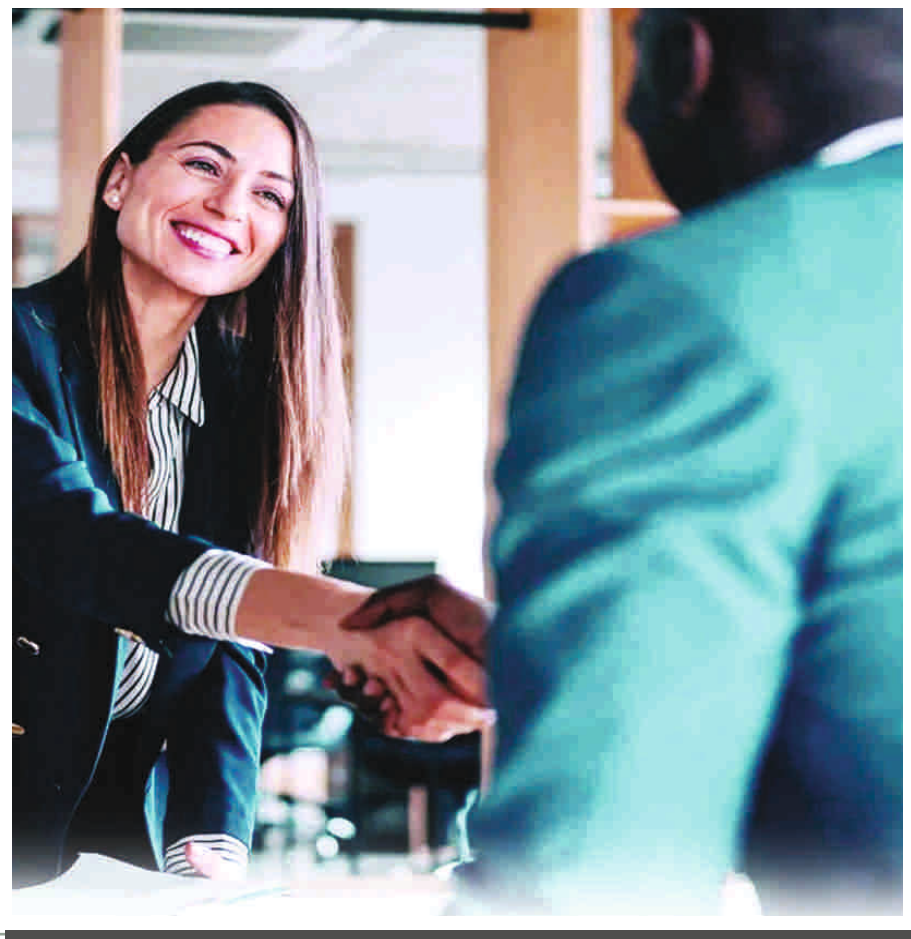

इंटरव्यू में बार-बार मिल रही असफलता तो अपनाएं ये टिप्स

किसी भी जॉब इंटरव्यू के लिए कम्युनिकेशन स्किल का अच्छा होना जरूरी होता है। क्योंकि इंटरव्यू के दौरान आपकी स्थिति को बढ़ाने व बिगाड़ने की क्षमता कम्यूनिकेशन के पास होती है। ऐसे में इन टिप्स को फॉलो कर कम्यूनिकेशन स्किल को मजबूत और बेहतर कर सकते हैं।

अक्सर देखा जाता है कि इंटरव्यू के दौरान कैंडिडेट थोड़ा नर्वस रहते हैं। इसका मुख्य कारण कांफिडेंस की कमी का होना माना जाता है। ऐसे में अगर आप कॉन्फिडेंट होते हैं, तो आप किसी भी इंटरव्यू को आसानी से पार कर सकते हैं। ऐसे में अब आप सोच रहे होंगे कि कांफिडेंस कैसे बढ़ता है, तो बता कि कम्युनिकेशन स्किल में कमी होने पर कांफिडेंस कम होता है। क्योंकि अगर किसी उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल कमजोर होती है, तो वह डरा-सहमा महसूस करता है। फिर चाहे वह कितना भी जानकार क्यों न हो।

कैसे बढ़ाएं कम्यूनिकेशन स्किल

किसी भी जॉब इंटरव्यू के लिए कम्युनिकेशन स्किल का अच्छा होना काफी जरूरी होता है। क्योंकि इंटरव्यू के दौरान आपकी स्थिति को बढ़ाने व बिगाड़ने की क्षमता कम्यूनिकेशन के पास होती है। ऐसे में आप इन टिप्स को फॉलो कर अपनी कम्यूनिकेशन स्किल को मजबूत और बेहतर कर सकते हैं।

ठीक से सुने प्रश्न

इंटरव्यू के दौरान पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से सुनकर तभी उत्तर देना चाहिए। क्योंकि जब आप अच्छे से सवाल को समझेंगे तो उसका उचित उत्तर दे सकेंगे। वहीं आपका यह तरीका इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति पर आपकी अलग छाप छोड़ता है।

स्पष्ट और सरल भाषा में दे जवाब

इंटरव्यू के दौराम आपको आसानी से समझ आने वाली भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। इस दौरान आप सरल और स्पष्ट तरीके से अपनी बात रखें। सरल भाषा के इस्तेमाल से आप शब्दजाल में नहीं फसेंगे। साथ ही कम शब्दों से सही से जवाब दें। क्योंकि अगर आप बहुत लंबा उत्तर देते हैं, तो यह सामने वाले व्यक्ति को विचलित कर सकता है।

पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेज

इंटरव्यू के दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज का पॉजिटिव होना बहुत जरूरी है। आई कॉन्टैक्ट और हाथों के इशारों का इस्तेमाल करें। इससे इंटरव्यू लेने वाले व्यक्ति को लगेगा कि आपके अंदर कांफिडेंस है। इस दौरान आपको पेशेवर और औपचारिक लहजा अपनाना चाहिए। भले ही फिर आप कितने ही चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना क्यों न कर रहे हों।

लचीलापन

इस दौरान अपने कम्यूनिकेशन में लचीलापन जरूर रखें। इससे सामने वाले पर आपका अच्छा इम्पैक्ट पड़ेगा। क्योंकि कुछ लोग औपचारिक तरीके से तो कुछ लोग अन्य अनौपचारिक तरीके से बातचीत करना पसंद करते हैं।

मजेदार तरीके से दें जवाब

किसी भी प्रश्न के जवाब में आप उदाहरण के तौर पर सिचुएशन, टास्क, एक्शन, रिजल्ट मेथेड का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका जवाब थोड़ा इंट्रेस्टिंग बन सकता है।

बजरंगी भाईजान 2 को सलमान ने दिखाई हरी झंडी?

कई दिनों से चर्चा थी कि सलमान खान अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म बजरंगी भाईजान के सीक्वल पर काम करने के बारे में विचार कर रहे हैं। वहीं, अब फिल्म के लेखक ने इस पर नया अपडेट दिया है। मशहूर पटकथा लेखक वी. विजयेंद्र प्रसाद ने खुलासा किया है कि उन्होंने हाल ही में सलमान खान के साथ 2015 की हिट फिल्म बजरंगी भाईजान के संभावित सीक्वल पर चर्चा की और अभिनेता के साथ एक नई कहानी की स्क्रिप्ट साझा की। विजयेंद्र प्रसाद निर्माता एसएस राजामौली के पिता भी हैं और वह बाहुबली और आरआरआर जैसी प्रमुख ब्लॉकबस्टर फिल्मों की पटकथा लिखने के लिए जाने जाते हैं।

सलमान को पसंद आया कांसेप्ट

पीटीआई से बात करते हुए विजयेंद्र प्रसाद ने कहा, मैं पिछली ईद पर सलमान से मिला था। मैंने उन्हें एक लाइन सुनाई, उन्हें वह पसंद आई, लेकिन देखते हैं क्या होता है, इसलिए प्रशंसक उम्मीद कर सकते हैं कि जल्द ही सीक्वल की घोषणा हो सकती है। फिल्म के सीक्वल, बजरंगी भाईजान 2 के बारे में अटकलें जारी हैं और हालिया अपडेट से पता चलता है कि फिल्म पर काम शुरू होने की कगार पर है।

कई बार सीक्वल पर चर्चा कर चुके हैं सलमान

इस मामले से जुड़े सूत्रों ने संकेत दिया है कि सलमान खान और विजयेंद्र प्रसाद कई बार मिल चुके हैं और कथित तौर पर एक मजबूत पटकथा तैयार कर ली है, जो सीक्वल का आधार बन सकती है। इससे पहले पिंकविला ने बताया था कि बजरंगी भाईजान 2 आधिकारिक तौर पर विकास के चरण में पहुंच गई है। सलमान खान ने हाल ही में लेखक वी. विजयेंद्र प्रसाद से मुलाकात की और दोनों ने एक संभावित विचार पर चर्चा की। जो बहुप्रतीक्षित सीक्वल का रूप ले सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, वी. विजयेंद्र प्रसाद और निर्देशक कबीर खान के बीच संभावित सहयोग के बारे में बातचीत चल रही है, जिससे पता चलता है कि तीनों इस प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ सकते हैं।

हालांकि, अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। कबीर खान द्वारा निर्देशित, बजरंगी भाईजान में सलमान खान, करीना कपूर खान, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और नवोदित हर्षाली मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं। यह छह वर्षीय मूक पाकिस्तानी लड़की शाहिदा की कहानी है, जो दिल्ली से पाकिस्तान लौटते समय अपनी मां से बिछड़ जाती है।

परिणीति चोपड़ा ने नेटफ्लिक्स सीरीज की शूटिंग की पूरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स सीरीज की शूटिंग पूरी कर ली है। इस शूट के लिए वह दो महीने पहाड़ों में रहीं, जहां शांत और सुकून भरा माहौल था। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शूटिंग का अनुभव साझा किया और बताया कि यह शूटिंग उनके लिए जैसे छुट्टी और एक्टिंग सीखने की क्लास दोनों की तरह थी। उन्होंने अपने डायरेक्टर और टीम का शुक्रिया अदा किया। इंस्टाग्राम पर परिणीति ने बीटीएस (बिहाइंड द सीन) फोटोज और वीडियो शेयर कर अपने दो महीने के सफर की झलक दिखाई। उन्होंने अपने को-स्टार्स ताहिर राज भसीन, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी, चैतन्य चौधरी, सुमीत व्यास और अनूप सोनी को टैग किया और उन पर भी प्यार जताया। उन्होंने बताया कि सीरीज में इतने ज्यादा एक्शन, ड्रामा और जोरदार सीन थे कि हम सब मिलकर जैसे चिल्लाते रहते थे। एक्ट्रेस ने लिखा, मैं इन पागलपन भरे सीन को करने के लिए किसी और को नहीं चुनूंगी। उन्होंने कैप्शन के लिए लिखा, दो महीने पहाड़ों में बिताए, जहां शांति, सुकून और एकदम चुप्पी थी... बस एक ही आवाज होती थी, जब हम शूट करते हुए ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहे होते थे! शुक्रिया नेटफ्लिक्स और टीम... यह मेरे लिए लवली वेकेशन और एक्टिंग वर्कशॉप दोनों था। मेरे प्रोड्यूसर्स सिद्धार्थ मल्होत्रा और सपना मल्होत्रा को प्यार भरी झप्पी... आप जानते हैं कि मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। ठीक है अब मैं वापस अपने कंबल में जा रही हूं। इस शो के बाद आराम की जरूरत है। नेटफ्लिक्स की इस सीरीज का टाइटल अभी तक सामने नहीं आया है। इस प्रोजेक्ट का निर्देशन रेंसिल डी सिल्वा कर रहे हैं। रेंसिल रंग दे बसंती और उंगली जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था, जो परिणीति ने अपने इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया। इस वीडियो में आईपीएल मैच देख रहे ऑडियंस उनके पति राघव चड्ढा को जीजू-जीजू कहते सुनाई दिए। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि राघव चड्ढा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स इलेवन के बीच हुए मैच का लुत्फ उठा रहे हैं। इस बीच, जब दर्शकों की नजर उन पर पड़ी, तो वे मैच को छोड़कर उन्हें देखने लगे और जोर-जोर से जीजू-जीजू चिल्लाने लगे। इस दौरान कई दर्शक उन्हें अपने मोबाइल में कैप्चर करते दिखाई दिए। इस वीडियो को परिणीति ने अपने इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, तुम सभी बहुत स्वीट हो।

उल्लेखनीय है कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा 2023 में उदयपुर में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की मुलाकात लंदन के एक फंक्शन में हुई थी। परिणीति के भाई शिवांग ने उन दोनों को मिलवाया और उसके बाद दोनों की मुलाकात पंजाब में हुई, जब वह इम्तियाज अली की फिल्म चमकीला की शूटिंग कर रही थीं। शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकातों का सिलसिला बढ़ने लगा और दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदलने लगी, जिसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया।

हमने ऐसा माहौल बनाया है जो बिजनेस से ज़्यादा कम्युनिटी जैसा लगता है

कृष्णा श्रॉफ वास्तव में एक सच्ची फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर हैं। फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति उनकी लगन बेमिसाल है। कृष्णा श्रॉफ और उनके भाई टाइगर श्रॉफ द्वारा स्थापित स्क्वॉमैट्रिक्स, भारत में फिटनेस के प्रति नजरिए को बदल रहा है। यह ब्रांड देशभर में उच्च गुणवत्ता वाले फिटनेस सेंटर्स की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। इसकी शुरुआत मुंबई में एक प्रमुख जिम से हुई थी और अब यह पूरे देश में चौदह फ्रेंचाइज़ी तक फैल चुका है, जो इस बात का प्रमाण है कि लोग उनकी विशिष्ट ट्रेनिंग और वेलनेस शैली को कितना पसंद करते हैं। मैट्रिक्स का मुख्य उद्देश्य बेहतरीन उपकरण और ऐसी प्लेस प्रदान करना है जहाँ लोग वास्तव में प्रेरित होकर व्यायाम कर सकें, और यह भारत में सही दिशा में विस्तार कर रहा है।

हमने ऐसा माहौल बनाया है जो बिजनस से ज़्यादा कम्युनिटी जैसा लगता है

कृष्णा ने बताया, हम एमएमए मैट्रिक्स के साथ कुछ खास बनाना चाहते थे, एक ऐसी जगह जो आम जिम के अनुभव से कहीं बढ़कर हो। हमारा लक्ष्य है कि भारत में विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं को लाना है, साथ ही व्यक्तिगत स्पर्श भी बनाए रखना है। जब आप हमारे स्पेस में प्रवेश करते हैं, तो आपको तुरंत ही अंतर महसूस होता है। यह सहायक, समावेशी वातावरण है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें पुनर्वास की आवश्यकता वाले लोग भी शामिल हैं। एमएमए मैट्रिक्स की सबसे बड़ी खासियत इसकी समावेशी सोच है। इसके कार्यक्रम और सुविधाएँ इस तरह से डिज़ाइन की गई हैं कि विभिन्न बैकग्राउंड और ज़रूरतों वाले लोग जुड़ सकें। इसके प्रशिक्षक पुनर्वास-केंद्रित ट्रेनिंग में भी निपुण हैं, जिससे वे उन लोगों की मदद कर पाते हैं जो सामान्य जिम के अनुभवों से वंचित रह जाते हैं। व्यक्तिगत सहायता के साथ श्रेष्ठ-गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे को जोड़कर, एमएमए मैट्रिक्स भारत में हर किसी के लिए फिटनेस को सुलभ और सार्थक बनाने के अपने मिशन को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा, कई व्यावसायिक जिमों के विपरीत, हमने ऐसा माहौल बनाया है जो व्यवसाय से ज़्यादा समुदाय जैसा लगता है। शुरू से ही हमारा लक्ष्य यही था- अपने लोगों को उच्चतम गुणवत्ता वाला फिटनेस वातावरण प्रदान करना जहाँ वे प्रेरित, समर्थित और सम्मानित महसूस करें। यह सिर्फ़ उपकरणों के बारे में नहीं है; यह एक ऐसा स्थान बनाने के बारे में है जहाँ हर कोई अपनी फिटनेस यात्रा में आगे बढ़ सके। संस्थापकों ने समझा कि बढ़िया उपकरण ही काफ़ी नहीं हैं - स्थायी फिटनेस आदतों के लिए सही भावनात्मक और मानसिक वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

संदीपा धर ने अपनी प्रेरणा माधुरी दीक्षित को किया सलाम

इंटरनेशनल डांस डे के अवसर पर अभिनेत्री संदीपा धर ने डांस के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अभिनेत्री माधुरी दीक्षित उनकी प्रेरणा हैं और उन्होंने ही डांस के मैजिक से उन्हें सबसे पहली बार रूबरू कराया। संदीपा डांस की दिवानी हैं और उनका मानना है कि डांस खुशी पाने का एक सरल सा साधन है। संदीपा ने बताया, नृत्य में एक ऐसी सच्चाई होती है, जिसे शब्द कभी पूरी तरह बयां नहीं कर सकते। नृत्य मेरे लिए दशकों से सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि एक साधना की तरह रहा है, यह दुनिया की खूबसूरती को महसूस करने का एक जरिया है। बचपन में संदीपा, माधुरी दीक्षित की खूबसूरती और उनकी भावनाओं से भरी प्रस्तुति को देखकर आकर्षित हुईं और उन्हें डांस की खूबसूरती और ताकत का अहसास हुआ। अपनी भावना व्यक्त करते हुए संदीपा ने कहा, माधुरी मैम को डांस करते देखना किसी जीवंत कविता को देखने जैसा है। वह सिर्फ स्टेप्स नहीं करतीं, बल्कि कहानियां सुनाती थीं, दिलों को छूती थीं। उन्होंने मुझे सिखाया कि डांस सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि सच्चाई, आत्मा और ईमानदारी से जुड़ा होता है। संदीपा के लिए डांस आज भी जीवन के हर पड़ाव में खुद से जुड़ने का सबसे सच्चा माध्यम है। उन्होंने आगे कहा, डांस हर दिखावे को हटा देता है। यह आपको उस पल में ले जाता है, जहां आप खुलकर सांस लेते हैं। माधुरी मैम से मैंने सीखा है कि सच्चे और खुशी से भरे पलों में ही असली ताकत होती है। अपनी बात खत्म करते हुए संदीपा ने कहा, आज मैं सिर्फ डांस का नहीं, बल्कि उन लोगों के जज्बे का भी जश्न मना रही हूं, जिन्होंने हमें डांस की असली खूबसूरती दिखाई। धन्यवाद माधुरी मैम, आपने मुझे दिल से डांस करना सिखाया। भरतनाट्यम, जैज और कंटेम्पररी डांस में प्रशिक्षित संदीपा धर ने फिल्मों, वेब शोज और मंच पर अपने डांस के टैलेंट से कई बार दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है।

प्रियंका चोपड़ा ने किया इरफान खान को याद

दिवंगत अभिनेता इरफान खान की पांचवीं पुण्यतिथि पर सभी सितारे उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इस कड़ी में प्रियंका चोपड़ा ने भी उन्हें याद करते हुए भावुक संदेश लिखा। प्रियंका ने अपनी फिल्म 7 खून माफ की एक झलक के साथ दिवंगत अभिनेता को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इंस्टाग्राम पर फिल्म की एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- आपके और आपके टैलेंट के बारे में सोच रही हूं। न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर से पीड़ित होने के दो साल बाद अप्रैल 2020 में 53 साल की उम्र में इरफान का निधन हो गया था। उनके निधन के समय भी प्रियंका ने अभिनेता के जीवन और विरासत का सम्मान करते हुए एक भावनात्मक संदेश भी साझा किया था।

मेरे एक्टिंग करियर में सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी सुखद बदलाव वाली फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय ओबेरॉय, वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर अपकमिंग फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आएंगे। अभिनेता ने अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि फिल्म में काम करना शानदार और उनके करियर में बदलाव लाने वाला साबित हुआ। फाइटर और किसको था पता जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले अक्षय ने बताया कि सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी उनके करियर में एक सुखद बदलाव लेकर आया।

अक्षय ने बताया, सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में काम करना मेरे लिए शानदार अनुभव से भरा रहा। पिछले कुछ सालों में मैंने कई तरह के गंभीर, कई तरह के किरदार निभाए हैं। ऐसे रोल, जो डार्क और चुनौतियों से भरे रहे। ऐसे में इस फिल्म ने मुझे एक अलग तरह की एनर्जी से रूबरू कराया है। उन्होंने कहा, फिल्म में मेरा किरदार खास है, जिसे निभाना भी खास रहा। यह एक सुखद बदलाव है, लेकिन इसमें एक ट्विस्ट भी है, जिसे मैं सभी के लिए सरप्राइज रखने जा रहा हूं, दर्शकों को अपने किरदार से मिलाने के लिए उत्साहित हूं।

अभिनेता इस फिल्म में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ और मनीष पॉल के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। अभिनेता ने आगे कहा, ऐसे शानदार एक्टर्स के साथ काम करना फिल्म को और भी खास बना देता है। सेट पर कमाल की एनर्जी रहती है। वरुण, जान्हवी, सान्या और रोहित के साथ काम करना आनंद से भरा है। इससे पहले अभिनेता ने बताया था कि करण जौहर की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म उनके लिए बेहद खास है और इसमें काम करना उनके करियर की एक बड़ी सफलता है। अपने अभिनय सफर के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने बताया था, धर्मा प्रोडक्शंस जैसे पावरहाउस का ध्यान आकर्षित करने में मुझे 14 साल लग गए और मेरे लिए, यह एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि है। उन्होंने कहा, हमारी इंडस्ट्री में करण जौहर की फिल्में न सिर्फ अपनी कहानी कहने, बल्कि दर्शकों पर पड़ने वाले प्रभाव के लिए भी जानी जाती हैं। धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म का हिस्सा बनना एक विरासत में शामिल होने जैसा है। यह किसी भी अभिनेता के लिए एक सपना है क्योंकि इसके साथ बहुत अधिक एक्सपोजर, पहुंच और सम्मान आता है। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में अभिनेता वरुण धवन और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। इस प्रोजेक्ट में अक्षय ओबेरॉय के साथ सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, अभिनव शर्मा, मनीष पॉल और मानिनी चड्ढा भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 12 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

शाहरुख की किंग में दीपिका बनेगी हीरोइन

शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग के बारे में अपडेट का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं, अब इस फिल्म पर नया अपडेट सामने आया है, जो फिल्म की हीरोइन के बारे में है। शाहरुख की फिल्म किंग में दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में होंगी। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित यह एक्शन थ्रिलर की शूटिंग 18 मई से मुंबई में शुरू होगी। इसमें अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अभय वर्मा, अरशद वारसी और जयदीप अहलावत भी हैं। शुरुआत में दीपिका अपनी नवजात बेटी के साथ समय बिताने के कारण शूटिंग में शामिल नहीं होने वाली थीं। हालांकि, फिल्म की शूटिंग में देरी होने के कारण अब वह शूटिंग में शामिल होने के लिए तैयार हैं। दीपिका के लिए इसमें 10 से 12 दिनों की शूटिंग है, जिससे यह एक विस्तारित कैमियो बन गया है।

शादी की खुशियां मातम में बदली, स्विमिंग पूल में डूबने से बालक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

झुंझुनूं। मंडावा कस्बे के एक होटल में आयोजित शादी समारोह की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं जब स्विमिंग पूल में डूबने से झुंझुनूं के छह वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। मंडावा के मुकुंदगढ़ रोड स्थित एक होटल में शादी समारोह के दौरान हुए इस हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया और उत्सव का माहौल गहरे शोक में तब्दील हो गया।

जानकारी के अनुसार, झुंझुनूं निवासी हेमंत टीबड़ा का छह वर्षीय पुत्र चारविक परिवार सहित मंडावा में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होने आया था। इसी दौरान होटल के स्विमिंग पूल में डूबने से उसकी हालत गंभीर हो गई। सूचना मिलते ही मंडावा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे को तत्काल झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी रामनिवास ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

फर्नीचर गोदाम में भीषण आग : एक घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू, रसायनों की वजह से बढ़ी मुश्किलें

जयपुर। विद्याधर नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात को एक फर्नीचर गोदाम में भीषण आग लग गई। यह हादसा रात करीब 12:15 बजे हुआ जब अम्बाबाड़ी स्थित भियानी कॉलेज के सामने चंद्रा फर्नीचर के गोदाम में आग भड़क उठी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। असिस्टेंट फायर ऑफिसर भंवर ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। आग पर काबू पाने में करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। गोदाम में फर्नीचर के साथ कुछ केमिकल भी रखे हुए थे, जिसके कारण आग बार-बार धधक रही थी। इस वजह से दमकलकर्मियों को अतिरिक्त सतर्कता और प्रयास करने पड़े। आग चंद्रा रैकड़ सावित्री देवी के फर्नीचर गोदाम में लगी, जो प्लॉट नंबर B-SLS नगर, विद्याधर नगर में स्थित है। आग से गोदाम में रखा अधिकांश फर्नीचर जलकर खाक हो गया, हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। दमकल विभाग ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट या केमिकल की प्रतिक्रिया को आग लगने की वजह माना जा रहा है, लेकिन वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

आतंकी हमले से व्यथित अशोक गहलोत का फैसला, इस बार नहीं मनाएंगे अपना जन्मदिन

जयपुर। पहलगाम आतंकी हमले से व्यथित पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बार 3 मई को अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है। गहलोत ने कहा कि पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले ने हम सभी को अंदर तक व्यथित कर दिया है। परिवार के साथ सुखद समय बिताने के उद्देश्य से गए लोगों के लिए यह यात्रा एक जीवन भर का दुख दे गई। अभी तक उन परिवारों की मनोस्थिति सोचकर मन सिहर उठता है जिनके परिजनों को उनके सामने मार दिया गया। ऐसे समय में मैंने इस वर्ष 3 मई को अपना जन्मदिन न मनाने का फैसला किया है। मेरी सभी प्रशंसकों एवं कार्यकर्ताओं से अपील है कि इस दिवस पर अगर आपने कोई कार्यक्रम प्रस्तावित किया है तो मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए इसे रक्तदान शिविर एवं सेवा कार्यों तक ही सीमित रखें। इसके अतिरिक्त किसी तरह का जश्न न मनाएं। यह उन सभी दिवंगत आत्माओं को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि है और उनके परिवारों के प्रति एकजुटता का प्रतीक है। इस दुख की घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

पडाला राहुल पर अनुशासनात्मक कार्रवाई तुरंत होनी चाहिए : गट्टू प्रशांत

करीमनगर (एजन्सी)

,करीमनगर जिला कांग्रेस पार्टी की सांगठनिक विस्तृत बैठक में आर टी ए सदस्य पडाला राहुल गौड़ के व्यवहार को पार्टी के लिए हानिकारक बताया गया और इसे पार्टी के अनुशासन नियमों का उल्लंघन कहा गया।

इसी कारण करीमनगर रूरल युवा कांग्रेस मंडल अध्यक्ष गट्टू प्रशांत गौड़ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मांग की कि पडाला राहुल को तुरंत कांग्रेस पार्टी से निलंबित किया जाए। इस अवसर पर प्रशांत गौड़ ने कहा कि हाल ही में हुई बैठक में करीमनगर विधानसभा प्रभारी पुरुमल्ला

श्रीनिवास जब जिला प्रभारीयों के समक्ष कार्यकर्ताओं की पीड़ा और अपनी व्यथा व्यक्त कर रहे थे, तभी राहुल ने अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप करते हुए श्रीनिवास पर आक्रामक व्यवहार किया और जानबूझकर कार्यक्रम का माहौल बिगाड़ दिया। इससे पार्टी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है और उन्होंने इसकी जानकारी हाईकमान को दी है।

उन्होंने कहा कि राहुल अब फिर से वह युवा कांग्रेस को गुटों में बांटकर संगठन को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रशांत गौड़ ने कहा कि राहुल का रवैया शुरू से ही पार्टी में विवादास्पद रहा है और वह पार्टी कार्यक्रमों की बजाय व्यक्तिगत गतिविधियों में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल नए आए युवा कांग्रेस नेताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही वे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर सबूतों सहित औपचारिक शिकायत करेंगे।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का मासिक अन्नप्रसाद

हैदराबाद (एजेंसी),

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का मासिक अन्नप्रसाद का कार्यक्रम अक्षय तृतीया एवं पहलगाम में हुए नरसंहार में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ई.एन.टी. सरकारी हॉस्पिटल कोठी में करीब 400 लोगों में वितरित किया गया । सेवा में ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल, अन्य सदस्य गण गोवर्धन लाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, कांता अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, संतोष गोयल, मधु गोयल, सुनीता अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सपना तुलस्यान, निर्मला अग्रवाल, लक्ष्मी दत्त, आदि उपस्थित थे।

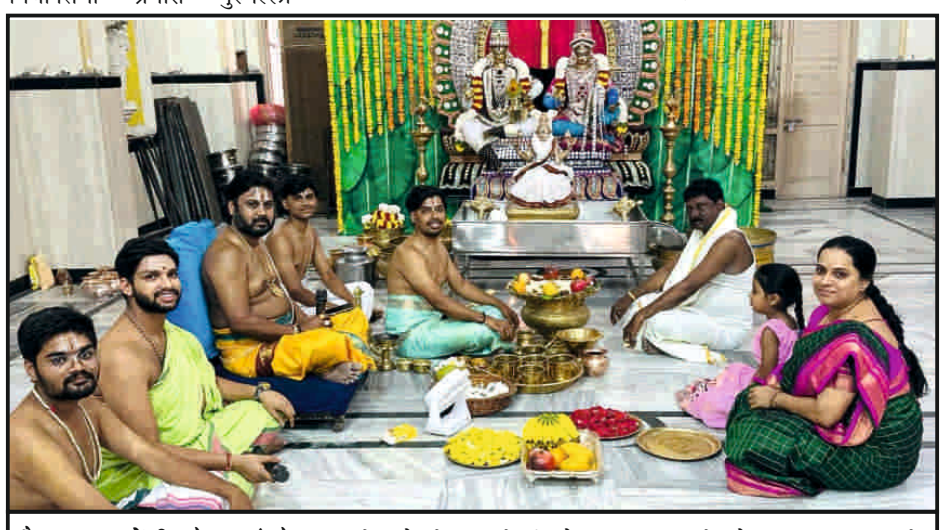

हैदराबाद (एजेंसी), मैदान खाँ चौक, चारमीनार में श्री बालाजी मंदिर में आज अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर श्री श्रृंगाराम आत्रेय स्वामी के सानिध्य में श्री कुबेर अस्तलक्ष्मी धनप्राप्ति हवन सम्पन्न हुआ, औषधि महा पूर्णाहुति द्वारा 108 हवन किये गये । लक्ष्मी जी का पंचामृत अभिषेक, कुबेर महालक्ष्मी अर्चन एवं यात्रा पूजन किया गया।

आदिलाबाद (एजेंसी), विश्व गुरु महात्मा श्री बसवेश्वर की 892वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को जिला कलेक्टर राजर्षि शाह और विधायक पायल शंकर ने शहर के बसवेश्वर चौक पर बसवेश्वर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

राधे-राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा जारी

हैदराबाद (एजन्सी),

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि अक्षय तृतीया पर राधे-राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा 7.01 पूर्वाह्न @पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर की गई।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल संजय गोयल रोहित अग्रवाल सुमन

अग्रवाल महेश गुप्ता अरविन्द गुप्ता उमा रानी ई-जगन (चंपा पेट) नयन संघी कैलाश चंद केडिया निर्मला केडिया राजेश योगा सरजी और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

राजस्थान में सबसे ज्यादा पर्यटन पहुंचा शेखावाटी में हवेलियों को बचाने का बनेगा प्लान- दीया कुमारी

सीकर। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को सीकर के रामगढ़ स्थित ऐतिहासिक मोहर हवेली पहुंचकर हवेली का अवलोकन कर वहां स्थित आर्ट गैलरी का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बताया कि रामगढ़ शेखावाटी को सीकर जिले में हेरिटेज सिटी और रामगढ़, फतेहपुर, मंडावा, नवलगढ़ सहित शेखावाटी रीजन को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा हैं। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रामगढ़ में रुककर लगभग आधा दर्जन से अधिक हवेलियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रामायण से युक्त छतरियां, फ्रैंसको पेंटिंग भित्ति चित्र युक्त हवेली, हेरिटेज धरोहर का बारीक अवलोकन किया। मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि शेखावाटी में टूरिज्म बढ़ाने के लिए हमने पिछले बजट में घोषणा की थी, आज मैं रामगढ़ के दौरे पर आई हूं, रामगढ़ की हवेलियों के लिए भविष्य में क्या बेहतर कर सकते हैं ताकि जो हवेलियां बची हुई है, उनका संरक्षण करने के लिए क्या प्रावधान ला सकते हैं, इसके बारे में विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो ऐतिहासिक हवेलियां है, उनको चिन्हित करेंगे कि किन हवेलियों को हम संरक्षण कर उनकी मरम्मत करवा सकते हैं ताकि यहां और अधिक पर्यटक आ सके।

एक चिकित्सक के भरोसे है बांसी का सरकारी अस्पताल

भण्डेड़ा। क्षेत्र के बांसी कस्बे में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर इस समय मौसम परिवर्तन होने के साथ ही रोगियों की संख्या बढती जा रही है। पर यहां फैली अव्यवस्था को लेकर कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। बांसी अस्पताल में रोगियों के साथ आने वाले तीमारदार भी परेशान हो रहे हैं। उन्हें जानकारी के अनुसार देई रोड़ पर स्थित बांसी सरकारी अस्पताल को वर्ष 2023 में फरवरी माह के बजट में तत्कालीन सरकार द्वारा पीएचसी से सीएचसी में क्रमोन्नति के बाद सरकार द्वारा संबंधित विभाग से यहां पर चिकित्सकों के पांच पद स्वीकृत है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्तमान स्थिति में दो ही चिकित्सक लगा रखे हैं। जिनमें से भी एक चिकित्सक के अस्पताल से संबंधित कार्य से मीटिंग सहित अन्य कार्य से चले जाने से एक चिकित्सक के भरोसे ही बांसी अस्पताल संचालित हो रहा है। अस्पताल में दो दर्जन से अधिक ग्रामीण अंचलों के लोग उचित उपचार की आशा में यहां आते हैं। पर यहां स्टॉफ की कमी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से भी मरीजों को जूझना पड़ता है। शनिवार को अस्पताल में एक ही कार्यरत चिकित्सक होते हुए भी रोगियों की अधिक संख्या होने से भर्ती वार्ड में एक बैड पर ही दो रोगियों को समायोजित कर के लगाकर उपचार चल रहा था। वहीं कुछ को वार्ड परिसर में ही कुर्सी पर ही ड्रिप लगाई जा रही थी। रोगियों का कहना था कि पर्याप्त जगह नहीं होने से उपचार लेने में समय लगता नजर आने पर जहां जगह नजर आई वहीं पर जैसी व्यवस्था होने पर ही उपचार लेने को मजबूर होना पडता है। मरीजों ने कहा कि अस्पताल में बैड की बढ़ोतरी हो तो रोगियों को ऐसी समस्याओं से राहत मिले। संबंधित विभाग द्वारा समय रहते पदरिक्त चल रहे चिकित्सकों के पदों को भी भरा जाए तो यहां पर आगंतुक रोगियों को इस तरह परेशान नहीं होना पड़े। इस गर्मी में चिकित्सक को दिखाने के लिए अपनी बारी का लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। वही फिर रजिस्ट्रेशन, दवा वितरण काउंटर व फिर भर्ती वार्ड में भी उपचार के लिए मजबूरन बाट जोह रहे है। असुविधाओं के चलते ग्रामीण इलाकों के लोग उचित उपचार के लिए देई, नैनवां, जिला मुख्यालय सहित अन्य बड़े शहरों की रुख करते नजर आते हैं।

पर्यटकों को तरसती डीजे व रेस्टोरेंट बोट, दम तोड़ रही मुकुंदरा की जंगल सफारी

कोटा। औद्योगिक से शिक्षा और अब पर्यटन नगरी के रूप में विकसित हो रहे कोटा शहर में एक तरफ तो नए-नए पर्यटन स्थलों का विकास व निर्माण कर विदेशी पर्यटकों के कोटा आने की संभावना जताई जा रही है। वहीं दूसरी तरफ शहर के बीच किशोर सागर तालाब में चल रही डीजे व रेस्टोरेंट बोट ही पर्यटकों को तरस रही है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत जहां कोटा शहर को स्मार्ट बनाने का दावा किया जा रहा था। वह तो पूरा नहीं हो सका। वहीं अब शहर को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने का दावा किया जा रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने व पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यहां नए-नए पर्यटन स्थल विकसित किए जा रहे है। चम्बल नदी के किनारे रिवर फ्रंट का निर्माण किया गया। आईएल फैक्ट्री परिसर में ऑक्सीजोन सिटी पार्क का निर्माण किया गया। सेवन वंडर्स पार्क बनाया गया। गणेश उद्यान समेत कई अन्य विकास कार्य भी करवाए गए। लेकिन उसके बाद भी यहां जितने विदेशी व बाहरी पर्यटक आने चाहिए थे वह नहीं आ पाए।

शहर के बीच ही नहीं आ रहे पर्यटक

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कांग्रेस सरकार के समय तत्कालीन नगर विकास न्यास की ओर से शहर के बीच किशोर सागर तालाब में डीजे साउंड वाली और रेस्टोरेंट वाली बड़ी बोट शुरु की गई थी। इन बोट का संचालन सेवन वंडर्स पार्क से किया जा रहा है। लेकिन हालत यह है कि शुरुआत में तो इन बोट में पर्यटक आए। लेकिन वर्तमान में दोनों ही बोट पर्यटकों को तरस रही है। दोनों बोट की जितनी क्षमता है उससे काफी कम पर्यटक इनमें सैर कर रहे हैं। पहले जहां शाम से रात तक तालाब में बोट का डीजे साउंड दूर से ही सुनाई देता था उसकी आवाज भी कम हो गई है।

250 व 350 रुपए है किराया

केडीए की ओर से इन बोट का संचालन संवेदक के माध्यम से किया जा रहा है। हालांकि तालाब में बारहद्वारी की तरफ से भी छोटी मोटर बोट चल रही है। उनमें तो फिर भी लोग सैर कर रहे हैं। जबकि दोनों बड़ी बोट में कम लोग जा रहे है। जबकि डीजे साउंड सिस्टम वाली बोट का किराया प्रति व्यक्ति प्रति चक्कर 250 रुपए और रेस्टोरेंट बोट किराया 350 रुपए है। रेस्टोरेंट बोट में फास्ट फूड और कैफे टेरिया की सुविधा है।

40 से 60 मिनट का चक्कर

बोट का संचालन करने वाले बनवारी ने बताया कि दोनों बोट की बैठक क्षमता 20 से 30 की है। एक बोट का चक्कर 40 मिनट व दूसरी का 60 मिनट का है। निर्धारित किराए में पर्यटकों को तालाब का चक्कर लगवाया जाता है। इन बोट में लोग डीजे साउंड होने से पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। लेकिन हालत यह है कि इन बोट में शुरुआत से ही पर्यटकों की संख्या कम रही है। अभी गर्मी के सीजन में शाम 6 से 7 बजे बाद लोग आते हैं। जबकि दिनभर खाली बैठे रहते हैं।

सेवन वंडर्स में ही कम आ रहे पर्यटक

संवेदक का कहना है कि बोट का संचालन सेवन वंडर्स पार्क से किया जा रहा है। बोटिंग का समय तो सुबह 10 से रात 10 बजे तक का है। अभी तो गर्मी अधिक है इस कारण से शाम तक तो कोई नहीं आता। शाम के बाद भी गिनती के ही लोग बोट में बैठ रहे है। इसका कारण सेवन वंडर्स में ही लोग बहुत कम आ रहे है। उनका आरोप है कि यहां पिछले कई दिन से लाइटें बंद रहने से अंधेरा छाया हुआ है। व्यवस्थाएं सही नहीं होने व पार्क पर किसी अधिकारी का ध्यान नहीं होने से जब पार्क में ही लोग कम आ रहे हैं तो बोट में लोगों की संख्या कम रहना स्वाभाविक है। पर्यटकों व लोगों के कम आने से बोट के गिनती के ही चक्कर लग रहे हैं। संवेदक का कहना है कि शहर के बीच केएसटी ऐसी जगह हैं जहां यदि अधिकारी ध्यान दे तो पर्यटक अधिक आ सकते हैं। साथ ही टूरिस्ट गाइड को भी इस तरफ पर्यटकों को लाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

गर्मी की छुट्टियों में आएंगे लोग

इधर कोटा विकास प्राधिकरण तालाब अधिकारियों का कहना है कि केडीए ने तालाब में बोटिंग की सुविधा शुरु की है। बोट का संचालन संवेदक के माध्यम से किया जा रहा है। यह सुविधा शहर के बीच है। लेकिन हो सकता है अभी गर्मी अधिक होने व स्कूलों में अवकाश नहीं होने से पर्यटक व स्थानीय लोगों की संख्या कम हो। लेकिन कुछ समय बाद स्कूलों में ग्रीष्म कालीन अवकाश शुरु होने वाले हैं। उसके बाद स्थानीय और बाहर से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

किराया अधिक होने से हिम्मत नहीं होती

तालाब में बोटिंग की सुविधा तो अच्छी है। लेकिन उनका किराया बहुत अधिक है। परिवार के दो से तीन सदस्य भी यदि एक बार जाएंगे तो एक से डेढ़ हजार रुपए तो किराए में ही लग जाएंगे। कोटा जैसे शहर में इतना अधिक किराया देना हर किसी के लिए संभव नहीं है। छोटी बोट का किराया कम होने से लोग उनमें यह आकर्षण हो सकता है। लेकिन स्थानीय लोगों के लिए महंगा सौदा है।

- शंकर सुमन, नयापुरा

पार्क में हो पर्याप्त रोशनी

तालाब में बोटिंग की सुविधा तो अच्छी है। लेकिन इसके लिए पहले सेवन वंडर्स जाना पड़ता है। वहां दस रुपए का टिकट लेकर जाने के बाद अंदर घूमेंगे तभी तो बोट में बैठ पाएंगे। लेकिन सेवन वंडर्स पार्क में ही शाम के समय अंधेरा रहता है। ऐसे में वहां परिवार व बच्चों के साथ जाने में ही डर लगता है। पार्क में रोशनी की पर्याप्त सुविधा हो तो बोट में भी लोग जाएंगे। **- सीमा माखीजा, सिंधी कॉलोनी**

टायर बनाने वाली कंपनी का घट गया प्रॉफिट

बावजूद हर शेयर पर 30 डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। टायर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी सिएट ने आज मंगलवार को अपने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए। मार्च तिमाही में टायर कंपनी का नेट प्रॉफिट 3 प्रतिशत घटकर 99 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 102 करोड़ रुपये रहा था। इसके अलावा, कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि उसके बोर्ड मेंबर ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रति शेयर 30 रुपये (300 प्रतिशत) का डिविडेंड देने की सिफारिश की है।

क्या है डिटेल

सिएट लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि चौथी तिमाही में परिचालन से होने वाली आय बढ़कर 3,421 करोड़ रुपये हो गयी, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,992 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत घटकर 471 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह 635 करोड़ रुपये था। आलोच्य वित्त वर्ष में परिचालन आय बढ़कर 13,218 करोड़ रुपये हो गयी, जो एक साल पहले 11,943 करोड़ रुपये थी।

शेयरों के हाल- सिएट के शेयर आज मंगलवार को मामूली तेजी के साथ 3,066 रुपये पर बंद हुए। इस साल अब तक यह शेयर 5 प्रतिशत तक टूट गए। महीनेभर में यह शेयर 6 प्रतिशत और छह महीने में 11 प्रतिशत तक चढ़ गए। सालभर में यह शेयर 22 प्रतिशत तक चढ़ गए। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 3,581.45 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 2,211 रुपये है। इसका मार्केट कैप 12,383.39 करोड़ रुपये है।

भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में जोरदार बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक व्यापार तनाव कम होने के बीच विदेशी निवेशकों के नए प्रवाह से मार्च के मध्य में शुरु हुई बाजार में तेज तेजी के बाद भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति एक बार फिर 100 अरब डॉलर को पार कर

गई है. ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि के दौरान अंबानी सबसे बड़े लाभार्थी के रूप में उभरे उनकी कुल संपत्ति मार्च के निम्नतम स्तर 81 बिलियन डॉलर से लगभग 20 बिलियन डॉलर बढ़कर 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई. इस उछाल ने उन्हें दुनिया भर के शीर्ष 16 सबसे धनी लोगों में शामिल कर दिया है. भारतीय बाजारों में उल्लेखनीय सुधार के बाद 4 मार्च को उनकी संपत्ति घटकर 81 बिलियन डॉलर रह गई.

भारत-पाकिस्तान के बॉर्डर हुए बंद तो केसर के दाम में लगी आग

5 लाख रुपये किलो पहुंचा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बॉर्डर बंद होने से केसर की कीमतों में भारी तेजी आई है। टॉप क्वालिटी के केसर के दाम पिछले चार दिनों में 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गए हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक अब ये लगभग 5 लाख प्रति किलोग्राम हो गया है। इसकी वजह है अटारी-वाघा बॉर्डर का बंद होना। इस बॉर्डर के बंद होने से अफगानिस्तान से केसर की सप्लाई रुक गई है। केसर दुनिया का सबसे महंगा मसाला है। भारत में केसर की सालाना मांग लगभग 55 टन है। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, कश्मीर में 6-7 टन केसर का उत्पादन होता है। बाकी केसर अफगानिस्तान और ईरान से आयात किया जाता है। ईरानी केसर भी महंगा हो गया है। इसकी कीमत में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

एक किलो केसर की कीमत 50 ग्राम सोने के बराबर है। अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने से केसर की कीमत में उछाल आई है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार ने अटारी-वाघा बॉर्डर को बंद कर दिया है। ये बॉर्डर पाकिस्तान के साथ व्यापार का एकमात्र रास्ता था। चेन्नई की बेल केसर कंपनी के को-फाउंडर नीलेश मेहता ने कहा कि पहलगाम में हमले से पहले सबसे अच्छी क्वालिटी के केसर की कीमत 4.25 लाख से 4.50 लाख प्रति किलोग्राम थी। ये कंपनी कश्मीर से केसर खरीदती है और उसे देश के बाकी हिस्सों में बेचती है। उन्होंने बताया कि ईरानी केसर, कश्मीरी केसर से सस्ता होता है।

दक्षिण और पश्चिमी भारत में केसर की मांग अब भी बनी हुई है। लेकिन उत्तरी भारत के खरीदार पीछे हट रहे हैं। केसर उगाने वालों का कहना है कि उन्हें उत्तरी भारत से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कई खरीदार अब केसर नहीं खरीद रहे हैं। पंपोर स्थित रिटेज एग्रो फार्म्स के मालिक फिरोज अहमद ने कहा कि हमें उत्तरी भारत से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। हमारे कई खरीदार पीछे हट रहे हैं। फिरोज अहमद की कंपनी केसर और सूखे मेवे उगाती है। पुलवामा स्थित मीर कश्मीर केसर के मालिक उमर मुख्तार भी इसी बात से सहमत हैं। भारत में केसर का ज्यादातर इस्तेमाल मिठाई बनाने वाले करते हैं। अहमद ने बताया कि मई और जून में शादियों की वजह से काफी काम होता है। इस दौरान केसर की मांग बढ़ जाती है क्योंकि इसका इस्तेमाल मिठाई और दूसरी डिशेज में होता है।

जम्मू और कश्मीर के कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक (एक्सटेंशन) सरताज अहमद शाह ने कहा कि इंडिया इंटरनेशनल कश्मीर केसर ट्रेडिंग सेंटर में केसर 3 लाख प्रति किलोग्राम के थोक भाव पर बिक रहा है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी कीमत है। केसर का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। केसर उगाने वालों के मुताबिक, मौसम की खराबी की वजह से कश्मीर घाटी में केसर का उत्पादन कम हुआ है।

उत्पादन पर असर

कुछ ट्रेड अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पंपोर में नई सीमेंट फैक्ट्रियां खुलने से केसर का उत्पादन कम हो गया है। उनका कहना है कि केसर के फूल बहुत नाजुक होते हैं। जब उन पर सीमेंट की धूल पड़ती है, तो वे मुरझा जाते हैं। इससे केसर की क्वालिटी और मात्रा दोनों पर असर पड़ता है। पंपोर के अलावा केसर बडगाम और श्रीनगर के बाहरी इलाकों और जम्मू के किश्तवाड़ जिले में भी उगाया जाता है। कश्मीर घाटी में केसर कई तरह का होता है। मोंगरा सबसे गहरा होता है और इसमें खुशबू और स्वाद भरपूर होता है। लाचा किस्म में लाल और पीले रंग के हिस्से होते हैं। जर्दा नाम का केसर फेस पैक और ब्यूटी क्रीम में इस्तेमाल होता है। केसर उगाना और काटना बहुत मेहनत का काम है। एक ग्राम केसर लगभग 160-180 फूलों से निकाला जाता है। केसर की फसल अक्टूबर के मध्य में शुरू होती है और एक महीने में खत्म हो जाती है।

जापान कभी था आर्थिक महाशक्ति, कैलिफोर्निया से पिछड़ा ही

भारत से भी पिछड़ने वाला है

नई दिल्ली, एजेंसी। यह बात सन 2004 की है। उस समय दुनिया की आर्थिक महाशक्ति जापान के मुकाबले अमेरिकी स्टेट कैलिफोर्निया की जीडीपी दुनिया महज एक तिहाई थी। दो दशक बाद, अब स्थिति यह है कि कैलिफ़ोर्निया ने जापान को पछाड़ दिया। अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह तो सिर्फ झांकी है। जापान को असली झटका तो इस साल के अंत में मिलेगा, जबकि भारत भी जापान से आगे बढ़ जाएगा। ऐसा अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जताया है।

जापान को पछाड़ा कैलिफोर्निया ने

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड और यू.एस. ब्यूरो ऑफ़ इकोनॉमिक एनालिसिस के आंकड़ों से पता चला है कि कैलिफ़ोर्निया का नॉमिनल जीडीपी 4.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। गार्डियन के अनुसार, इसने जापान के 4.02 ट्रिलियन डॉलर के नॉमिनल जीडीपी को पीछे छोड़ दिया है। अब यह राज्य एसए (29.18 ट्रिलियन डॉलर), चीन (18.74 ट्रिलियन डॉलर) और जर्मनी (4.65 ट्रिलियन डॉलर) के बाद चौथे स्थान पर है।

क्यों आगे बढ़ा कैलिफोर्निया

अमेरिकी स्टेट कैलिफ़ोर्निया वहां के मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट का मुख्य केंद्र है। गार्डियन के अनुसार, यह देश का सबसे बड़ा कृषि उत्पादक भी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह राज्य अमेरिका का टेक और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का कैपिटल भी है। कुल मिला कर कहें कि कैलिफ़ोर्निया अमेरिका के आर्थिक विकास में बड़ा योगदान देता है। न्यूज़ॉम के कार्यालय से गार्डियन को दिए गए एक बयान के अनुसार, यह संघीय सरकार को जितना पैसा भेजता है, उससे 83 बिलियन डॉलर अधिक प्राप्त करता है।

अमेरिका, चीन, जर्मनी से भी ज्यादा है विकास दर

कैलिफ़ोर्निया की जीपीडी यों ही नहीं बढ़ रही है। वहां की अर्थव्यवस्था दुनिया के कुछ सबसे बड़े खिलाड़ियों से आगे निकल गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में इसकी विकास दर 6 प्रतिशत रही, जो अमेरिका की 5.3 प्रतिशत, चीन की 2.6 प्रतिशत और जर्मनी की 2.9 प्रतिशत से काफी आगे है। इस शानदार उछाल ने अब कैलिफ़ोर्निया को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। यह राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिसने सिर्फ छह साल पहले यूनाइटेड किंगडम को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल किया था।

चौथी तिमाही रिजल्ट से पहले अडानी पावर शेयर गिरा, लेकिन 806 तक पहुंच सकता है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी पावर का शेयर बुधवार को चौथी तिमाही के रिजल्ट से पहले करीब 2 प्रतिशत गिर गया। अडानी ग्रुप के इस शेयर ने बड़ी गिरावट के साथ 541.50 रुपये प्रति शेयर का इंट्राडे लो बनाया। कंपनी 30 अप्रैल 2025 (बुधवार) को क्त4 और वित्तीय वर्ष 2024-25 के नतीजे घोषित करेगी। बोर्ड की बैठक के बाद 1 मई 2025 को निवेशकों के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल भी होगी।

एनालिस्ट्स मान रहे हैं कि बिजली की बढ़ती मांग और बेहतर मार्जिन के चलते अडानी पावर के क्त4 नतीजे मजबूत रहेंगे। जनवरी-मार्च 2025 में भारत की बिजली मांग 416 क्व रही, जो पिछले साल के 400 क्व से अधिक है। अडानी पावर के पास गुजरात सहित कई राज्यों में 17,550 का थर्मल पावर प्लांट और 40 का सोलर प्रोजेक्ट है।

तीसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 7.4 प्रतिशत बढ़कर 2,940.07 करोड़ रुपये रहा, जबकि राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हुआ। बिजली बिक्री 23.3 क्व रही, जो पिछले साल के 21.5 क्व से अधिक है।

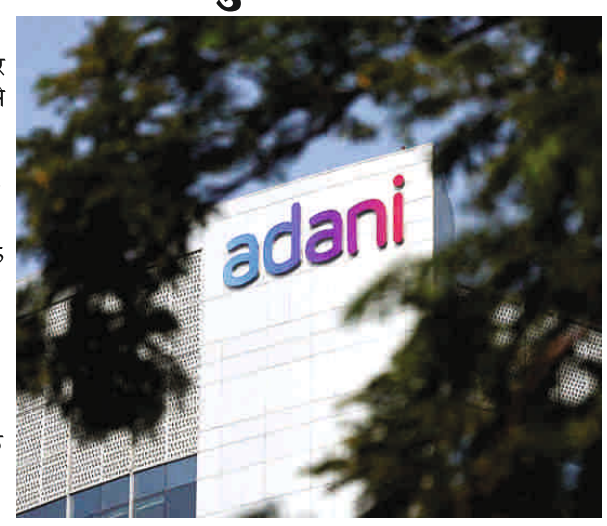

क्यों खरीदें यह शेयर - वेंचुरा सिक्योरिटीज ने अडानी पावर शेयर पर खरीदें की सलाह दी है, जिसका टारगेट प्राइस 806 रुपये रखा गया है। पिछले 2 साल में यह शेयर 145 प्रतिशत और 5 साल में 1,619 प्रतिशत चढ़ा है। तकनीकी विश्लेषण के मुताबिक, शेयर 102 दिनों के राउंडिंग बॉटम पैटर्न में है। अगर यह 598 रुपये के स्तर से ऊपर टिकता है, तो 752.9 रुपये तक का उछाल संभव है।

निवेशकों के लिए सलाह- एनालिस्ट्स का मानना है कि अच्छे नतीजे शेयर में तेजी ला सकते हैं, लेकिन बाजार के जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सतर्क निवेश की सलाह दी जाती है।

हैदराबाद (एजेंसी), श्री परशुराम मंदिर जगतगिरगुट्टा में अक्षय तृतीया पर सुन्दरकाण्ड भजन संध्या का शानदार आयोजन किया गया अवसर पर विनाध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय , उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी मन्दिर के अध्यक्ष गोपाल , भजन गायक पुष्पेंद्र शुक्ला विष्णुदत पाण्डेय राजू महराज राजन शुक्ला प्रकाश महाराज नीरज शुक्ला नितिन ऊर्मालिया आदि उपस्थित थे।

हैदराबाद(एजन्सी), अग्रवाल समाज एस आर नगर शाखा की कार्यकारिणी सभा अध्यक्ष हेमचंद गुप्ता के कार्यालय पर संपन्न हुई। आज की सभा में वर्ष 2025-2027 की कार्यकारिणी सदस्य के चुनाव की बारे में विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के बाद 18 मई 2025 रविवार को शाखा के चुनाव करने का प्रस्ताव रखा गया है। आज की कार्यकारिणी सभा में हेमचंद गुप्ता, राकेश अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, हरेश अग्रवाल ,सुशील अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल ,राजकुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सरकार की नई स्कीम: वाहन जितनी दूरी चलेगा, उसी का टोल भरना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्सप्रेसवे और हाईवे पर टोल प्लाजा के जाम से जल्द छुटकारा मिल सकता है। सरकार एक नई टोल नीति ला रही है, जहां आपको सिर्फ उतना ही टोल देना होगा, जितनी दूरी आपने तय की है। लेकिन, यहां सावधानी बरतने वाली बात ये है कि अगर आपने टोल का पेमेंट समय पर नहीं किया, तो न सिर्फ भारी जुर्माना लगेगा, बल्कि आपका स्कोर भी गिरेगा। इससे आगे चलकर लोन या क्रेडिट कार्ड लेने में दिक्कत हो सकती है। सरकार, और बैंक इस नई व्यवस्था पर फाइनल डिस्कशन में जुटे हैं। जल्द ही इसे लागू किया जा सकता है। तो अगर आप हाईवे पर अक्सर चलते हैं। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय दूरी के आधार पर टोल वसूली की व्यवस्था को लाने की दिशा में काम कर रहा है। ऐसी में जीपीएस मैपिंग के आधार पर टोल का निर्धारण किया जाएगा। नई व्यवस्था में वाहन जितनी दूरी तक नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर चलेगा, उसी का टोल भरना होगा। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए फायदेमंद होगी, जो कम दूरी (40-50 किलोमीटर) की यात्रा करते हैं लेकिन बीच में टोल पड़ने के कारण उन्हें अभी तक 150-200 रुपये का टोल भरना पड़ता है। टोल की वसूली को लेकर लाई जा रही नई व्यवस्था पर गहनता से चर्चा चल रही है। फास्टैग के ब्लैकलिस्ट होने संबंधी रिकॉर्ड को व्यक्ति के सिबिल स्कोर से जोड़ने के लिए एनपीसीआई और आरबीआई के साथ चर्चा चल रही है। सूत्रों का कहना है कि सिबिल स्कोर से जोड़ने को लेकर लगभग सहमति है। क्योंकि फास्टैग का सारा रिकॉर्ड भारतीय भुगतान निगम लिमिटेड और बैंकों के पास उपलब्ध है। लिखित सहमति बनने के बाद उसे आसानी से व्यक्ति के सिबिल स्कोर के साथ अपडेट किया जा सकेगा।

आज से बदलेंगे नियम: एटीएम से पैसे निकालना होगा महंगा, एलपीजी के रेट होंगे अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 मई को एलपीजी सिलेंडर के रेट से लेकर एफडी और बचत खातों के ब्याज में बदलाव देखने को मिल सकता है। रेलवे टिकट की बुकिंग से जुड़े हुए नियम बदलेंगे तो एटीएम से पैसे निकालना महंगा पड़ेगा। आइए देखें कि 1 मई से क्या-क्या बदलाव होने वाले हैंज

रेलवे टिकट बुकिंग से जुड़े हुए नियम बदलेंगे- रेलवे भी एक मई से टिकट बुकिंग के नियम बदलेगा। अब स्लीपर और एसी कोच में प्रतीक्षा टिकट मान्य नहीं होगा। सिर्फ जनरल कोच में ही प्रतीक्षा टिकट से यात्रा हो सकेगी। टिकट बुकिंग का समय 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दिया गया है। इसके अलावा, किराया और रिफंड शुल्क भी बढ़ सकते हैं।

एलपीजी के रेट होंगे अपडेट- हमेशा की तरह महीने की पहली तारीख को एलपीजी के रेट अपडेट होंगे। अप्रैल में सरकार ने 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 50 बढ़ा दी थी। यह बढ़ोतरी लगभग एक साल बाद हुई। अब दिल्ली में सिलेंडर 853 और कोलकाता में 879 तक पहुंच गया है। ऐसे में अब कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

एफडी और बचत खातों के ब्याज में बदलाव- बदलावों में ब्याज दरें भी शामिल हो सकती हैं। गौरतलब है कि आरबीआई ने पिछले महीने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दरों को घटाने का ऐलान किया था। इसके बाद बैंक लगातार अपनी ब्याज दरों में इस कटौती को समायोजित कर रहे हैं। कर्ज, जमा और बचत बैंक इस तीनों खातों पर ब्याज दरें घटाई जा रही हैं। कुछ बैंक अभी और कटौती कर सकते हैं।

निर्धारित सीमा के बाद लेन-देन पर शुल्क बढ़ेगा- भारतीय रिजर्व बैंक ने एटीएम से पैसे निकालने के शुल्क को बढ़ाने का ऐलान किया है। अगर आप एटीएम के जरिए नकदी निकाल रहे हैं, जमा कर रहे हैं या अपना बैलेंस चेक कर रहे हैं, तो निर्धारित सीमा के बाद लगने वाले शुल्क में वृद्धि की गई है। एक मई से एटीएम से निशुल्क रकम निकासी की सीमा पार करने के बाद हर निकासी पर 23 रुपये देने होंगे।

यह अभी शुल्क 21 रुपये है। हर महीने बैंक के एटीएम से पांच और दूसरे बैंक के एटीएम से मेट्रो शहरों में तीन या गैर-मेट्रो शहरों में पांच मुफ्त निकासी मिलती हैं। यह शुल्क बढ़ोतरी एटीएम चलाने की लागत बढ़ने के कारण की गई है।

प्रवाह पोर्टल से बैंकों का काम होगा सरल- भारतीय रिजर्व बैंक ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 1 मई से सभी बैंकों, वित्तीय कंपनियों और अन्य विनियमित संस्थाओं को प्राधिकरण, लाइसेंस और अनुमोदन के लिए कोई भी आवेदन जमा करने के लिए प्रवाह पोर्टल का उपयोग करना होगा।

पोर्टल में उपलब्ध आवेदन पत्रों का उपयोग करके नियामक प्राधिकरण, लाइसेंस, अनुमोदन के लिए आवेदन प्रस्तुत करने के लिए प्रवाह का उपयोग करना होगा।

वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे आईपीएल 2025 के बाद जाएंगे इंग्लैंड दौरे पर

टेस्ट और वनडे सीरीज में खेलने का मिलेगा मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी और 17 साल के आयुष महात्रे ने अब तक काफी प्रभावित किया है। वैभव राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं जबकि वैभव चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। ये दोनों खिलाड़ी अभी वयस्क नहीं हैं, लेकिन उन्होंने साबित कर दिया है कि प्रतिभा को मौका मिले तब क्या कुछ हो सकता है। दोनों को भारतीय क्रिकेट के भविष्य के रूप में देखा जा रहा है।

इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे वैभव-आयुष

वैभव ने तो गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में 35 गेंदों पर शतक लगाकर दुनिया की सबसे बेहतरीन टी20 लीग के मंच पर तूफान मचा दिया तो वहीं आयुष ने भी पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की है। आयुष को सीएसके टीम में चोटिल नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह टीम में जगह दी गई थी। आईपीएल 2025 में इन दोनों खिलाड़ियों का एक्शन क्रिकेट फैंस देख रहे हैं, लेकिन इसके बाद ये दोनों इंग्लैंड दौरे पर भारतीय अंडर-19 टीम के लिए खेलेंगे। भारतीय अंडर-19 टीम जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जबकि सीनियर टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वहां जाएगी।

इंग्लैंड में खेली जाएगी टेस्ट और वनडे सीरीज

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय जूनियर टीम इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगी और टीम जून के अंत में इंग्लैंड पहुंचेगी। सीनियर और अंडर-19 पुरुष टीमों के साथ-साथ भारतीय महिला क्रिकेट टीम और मिश्रित दिव्यांग टीम भी उस समय इंग्लैंड में होगी। भारतीय अंडर-19 टीम पिछले साल अंडर-19 एशिया कप के बाद पहल बार विदेशी दौरे पर जाएगी। अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारत को हार मिली थी। वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे दोनों ही अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा थे और पारी की शुरुआत करते थे। आयुष ने उस टूर्नामेंट के जरिए भारतीय अंडर-19 टीम के लिए डेब्यू किया था, हालांकि उन्होंने अब तक लाल गेंद के प्रारूप में नहीं खेला है। वहीं वैभव ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में डेब्यू किया था और जूनियर नेशनल टीम के लिए दो टेस्ट और तीन वनडे खेले हैं। इंग्लैंड के दौरे से भारतीय अंडर-19 टीम को 2026 अंडर-19 विश्व कप की तैयारी करने का मौका मिलेगा जो अगले साल की शुरुआत में जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

इटालियन ओपनः लगातार तीन मैच हारने के बाद

जोकोविच ने इटालियन ओपन से नाम लिया वापस

रोम, एजेंसी। जोकोविच का इस सत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्हें पिछले तीन टूर्नामेंट मियामी ओपन, मोंटे कार्लो मास्टर्स और मैड्रिड ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने लगातार तीन मैच हारने के बाद बड़ा फैसला लिया है। अपने 100वें खिताब की तलाश में जुटे जोकोविच ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है।

जोकोविच का यह फैसला वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन की तैयारी को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है जहां वह रिकॉर्ड 25वीं ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे। रोम में अगले महीने क्ले कोर्ट पर यह टूर्नामेंट खेला जाना है। इटालियन ओपन टूर्नामेंट के आयोजकों ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी कि जोकोविच इस साल प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने लिखा, अगले साल मिलते हैं, नोल। मालूम हो कि जोकोविच को नोल नाम से भी बुलाया जाता है।

इस सीजन संघर्ष कर रहे हैं जोकोविच

सर्बिया का 37 वर्षीय यह स्टार टेनिस खिलाड़ी इस सीजन संघर्ष कर रहा है। जोकोविच का इस सत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

उन्हें पिछले तीन टूर्नामेंट मियामी ओपन, मोंटे कार्लो मास्टर्स और मैड्रिड ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। इस सीजन उनके जीत-हार का रिकॉर्ड 12-6 है। स्पेन में माताओ आर्नाल्डी से हार ने के जोकोविच ने कहा था, यह 20 से ज्यादा वर्षों के पेशेवर टेनिस के अनुभव से बिलकुल अलग है। कोर्ट पर इस तरह की संवेदनाओं का सामना करना मेरे लिए मानसिक रूप से एक चुनौती है, अब नियमित रूप से टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो रहा हूं।

फ्रेंच ओपन पर नजरें

जोकोविच लंबे समय तक एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे हैं, लेकिन वह फिलहाल पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में कार्लोस अल्कारेज को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। जोकोविच लगातार यह कहते आए हैं कि वह बड़े टूर्नामेंटों में जीत दर्ज करना चाहते हैं और अगला बड़ा टूर्नामेंट पेरिस में 25 मई से शुरू होगा। जोकोविच घुटने में चोट के कारण पिछले साल रोलां गैरों में हिस्सा नहीं ले सके थे क्योंकि उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। जोकोविच इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी अपना अभियान चोट के कारण जारी नहीं रख सके थे।

आईपीएल पर सट्टेबाजी का साया 8.5 लाख करोड़ दांव पर, टूट रहे परिवार

नई दिल्ली, एजेंसी। जैसे-जैसे आईपीएल का जुनून देश को अपनी चपेट में ले रहा है, मैदान के बाहर एक खतरनाक ट्रेंड उभर रहा है। भारत में सट्टेबाजी ने इस साल 8.5 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को छू लिया है। टूटी जिंदगियां, बिखरे परिवार और आर्थिक बर्बादी जैसे घटनाक्रम स्टेडियम की तालियों और फैंटेसी लीग के शोर के पीछे दब रहे हैं। हाल की खबरें दिल दहलाने वाली हैं। कर्नाटक में एक व्यक्ति ने सट्टेबाजी में 1 करोड़ रुपये गंवाए, जिसके बाद उनकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। मैसूर में कई परिवार इस जाल में फंसकर तबाह हो चुके हैं। खेल के प्रति जुनून और सट्टेबाजी का नशा अब महज अटकलें नहीं, बल्कि एक बढ़ती महामारी बन चुका है। इसके खिलाफ जागरूकता की एक नई लहर उठ रही है। एंजल वन की पहल फाइनवन.क्लब पर 24,000 से अधिक लोग क्विट बैटिंग का संकल्प ले चुके हैं, जो खासतौर पर जेन जैड को वित्तीय समझदारी की राह दिखा रहा है। यह अभियान सिर्फ एक कैंपेन नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की लड़ाई में एक समुदाय का निर्माण है। सट्टेबाजी को भले ही आकर्षक दिखाया जाए, लेकिन इसके परिणाम बहुत बुरे होते हैं। इस आईपीएल सीजन इससे दूर रहना ही शायद असली जीत होगी।

आईपीएल में फिर बवाल

मैच खत्म होते ही कुलदीप यादव ने रिंकू सिंह को मारे कई चांटे

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को आईपीएल 2025 के 48वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 14 रनों से हराया. अरुण जेटली स्टेडियम में हुए इस मैच के बाद जब प्लेयर्स आपस में बातचीत कर रहे थे, उस समय का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. वीडियो में कुलदीप यादव रिंकू सिंह को थप्पड़ मारते हुए नजर आ रहे हैं, जिसके बाद रिंकू गुस्से में भी दिख रहे हैं.

कुलदीप यादव दिल्ली कैपिटल्स में जबकि रिंकू सिंह कोलकाता नाइट राइडर्स टीम का हिस्सा हैं. वीडियो मैच के बाद का है, इसमें दोनों टीमों के प्लेयर्स आपस में बात कर रहे हैं जैसा हर मैच के बाद खिलाड़ी करते हैं. तभी कुलदीप यादव किसी बात पर रिंकू सिंह को थप्पड़ मारते हैं, और कुछ बोलते हैं. रिंकू बचते हुए हंसते हैं लेकिन फिर शायद उनकी बात सुनकर चुप हो जाते हैं. एक बार फिर कुलदीप ऐसा करते हैं तो रिंकू सिंह का चेहरा गुस्से में लाल ही हो जाता है. वह उन्हें घूरते हैं.

सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें तरह तरह के रिएक्शन आ रहे हैं. लोग हैरान हैं कि आखिर किस बात पर ऐस हुआ. एक यूजर ने बीसीसीआई, दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर को टैग करते हुए लिखा कि देखो क्या मामला है.

तो एक अन्य यूजर ने लिखा, जैसे लग रहा है कि बुरा मान गया. एक दूसरे यूजर ने लिखा, कुलदीप का व्यवहार बहुत बुरा. एक यूजर ने लिखा कि, भाई सीरियस लग रहा है, पूरी वीडियो नहीं है क्या लास्ट में शायद रिंकू ने गाली भी दी थी. तो इसके जवाब में जिस हैंडल से वीडियो शेयर किया गया उसने जवाब दिया, नहीं, इसके बाद दोनों इंटरव्यू के लिए चले गए थे.

कोलकाता ने प्लेऑफ की उम्मीदों को रखा जिंदा

कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए थे. दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई थी लेकिन एक समय पर टीम जीत के करीब पहुंच गई थी, जब फाफ डुप्लेसिस सेट हो गए थे. उन्होंने 45 गेंदों में 2 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 62 रन बनाए. अक्षर पटेल ने भी 23 गेंदों में 43 रनों की शानदार पारी खेली. विपराज निगम ने अंत तक संघर्ष किया, उन्होंने 19 गेंदों में 38 रन बनाए लेकिन टीम लक्ष्य से 15 रन दूर रह गई.

केकेआर जीत के साथ प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है, हालांकि इस मैच के बाद अंक तालिका में टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ. दिल्ली कैपिटल्स 12 अंकों के साथ चौथे और कोलकाता 9 अंकों के साथ 7वें स्थान पर है.

वर्ल्ड कपः निशानेबाजी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल मनु भाकर और कुसाले, म्यूनिख में बिखेरेंगे चमक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। पेरिस ओलंपिक के सितारे मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले को एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक के साथ आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। मालूम हो कि कुसाले और मनु ने पिछले साल ओलंपिक में पदक जीते थे।

संदीप सिंह की हुई वापसी

राष्ट्रीय टीम में पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह की वापसी हुई है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप से लौटी है। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी।

उस टीम के कुल 13 सदस्य म्यूनिख जाने वाली टीम में भी हैं। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तीन नए खिलाड़ियों को मिला मौका

म्यूनिख के लिए चुनी गई टीम में तीन नए खिलाड़ी भी होंगे। महाराष्ट्र की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी रखने का मौका दिया गया है। पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नए निशानेबाजों को मौका दिया गया है। इसमें हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत का नाम शामिल हैं। रुद्राक्ष पाटिल और ऐश्वर्या तोमर ने स्वेच्छा से टीम से नाम वापस ले लिया है।

आईपीएल इतिहास में कोई आज तक नहीं कर सका ऐसा

सुनील नरेन ने की बड़े विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए खेल रहे सुनील नरेन टी20 क्रिकेट पुरुष में इतिहास रचने की दहलीज पर हैं। नरेन इस सीजन में अगर एक और विकेट लेते हैं तो वह पुरुष टी-20 क्रिकेट में एक टीम के लिए खेलते हुए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। सुनील ने समित पटेल के 208 विकेट की बराबरी कर ली है। समित नॉटिंघमशायर के लिए टी20 क्रिकेट खेलते हुए 208 विकेट चटकाए हैं। सुनील नरेन भी केकेआर के लिए खेलते हुए 208 विकेट पूरे कर चुके हैं।

तीसरे नंबर पर क्रिस वुड हैं जो हैम्पशायर के लिए खेलते हुए तीसरे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर लसिथ मलिंगा हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 195 विकेट लिए हैं। सुनील नरेन आईपीएल के इतिहास में 190 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने केकेआर के लिए चैंपियंस लीग टी20 भी खेला है। आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर के बीच 48वां मैच में सुनील नरेन ने एक बार फिर बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। सुनील ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के सामने शानदार बल्लेबाजी का भी प्रदर्शन किया और 16 गेंदों पर 27 रन बनाए। नरेन के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर केकेआर ने दिल्ली कैपिटल्स को महत्वपूर्ण मुकाबले में डुप्लेसिस और कप्तान अक्षर पटेल का विकेट हराया। केकेआर के बल्लेबाजों ने शानदार लेकर डीसी की कमर तोड़ दी। इस बीच क्रीज स्ट्राइक रेट से ताबड़तोड़ पारियां खेलकर पर आए ट्रिस्टन स्टब्स अभी कुछ समझ पाते बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर कि नरेन की गेंद पर बोल्ड हो गए।

204/9 का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का देखते ही देखते डीसी की बल्लेबाजी ताश पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए के पत्ते की तरह ढह गई। नरेन ने इस मैच से उपकप्तान फाफ डुप्लेसिस (62) और पहले अपने नाम सात विकेट किए थे। यादव और उनकी पत्नी की कप्तान अक्षर पटेल ने (43) रन की पारी लेकिन, डीसी के सामने एक महत्वपूर्ण मुलाकात का वीडियो भी सामने आ खेली। दोनों के बीच 76 रन की साझेदारी मुकाबले में 3 विकेट लेकर उन्होंने लंबी गया है, जो वाकई रोमांचित करता हुई। दिल्ली क मैच में बनी हुई थी। दोनों छलांग लगाई है। सीजन में सबसे ज्यादा है. सूर्यकुमार यादव और उनकी बल्लेबाजों की ओर से शानदार शॉट्स खेले विकेट लेने वाले गेंदबाजों में अब वह 36वें पत्नी को घूमते हुए तेंदुआ बीच जा रहे थे। इसी बीच नरेन ने उपकप्तान फाफ स्थान से उठकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

तेंदुए से हुआ सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी का सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी का तेंदुए से सामना हुआ है. ऐसा जयपुर में हुआ. दरअसल, मुंबई इंडियंस की टीम अपने अगले आईपीएल मैच को लेकर जयपुर में है, जहां उसे 1 मई को राजस्थान रॉयल्स की चुनौती का सामना करना है. मगर उस मुकाबले से सूर्यकुमार यादव, पत्नी के साथ घूमने निकले और इसी दौरान उनका सामना तेंदुए से हुआ. तेंदुए के साथ सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी की किसी भी जंगली जानवर को इतने करीब से देखना, उसे कैमरे में कैद करना, मुश्किल भरा काम है. इस काम में खतरा है. क्योंकि कई बार जंगली जानवर ऐसा करने से चिढ़कर हमला बोल देते है.

के साथ इन दोनों का एनकाउंडर तब हुआ जब ये उसके इलाके में यानी कि झलाना लेपर्ड सफारी घूमने पहुंचे. उन्होंने वहां तेंदुए का जबरदस्त मूवमेंट देखा. उन्होंने उसे पानी पीते हुए सूट किया. उसकी चाल को फिल्माया. उसे आराम करते हुए भी सूट किया. और, वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया.

सूर्यकुमार ने खूब किया ये मुश्किल काम

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने एक और सम्पत्ति ख़रीद कीं

हैदराबाद
(एजन्सी),

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने आज राघव रत्न टावर्स एबिड्स पर एक नए सभागृह की ख़रीदी की । इस सभा गृह का शेत्रफल 1500 एसएफटी है।

यह अग्रवाल समाज तेलंगाना की तीसरी प्रापर्टी है । ज्ञातव्य है की राघव रत्न टावर्स में अग्रवाल समाज तेलंगाना का कार्यालय है और सिकंदराबाद में अग्रवाल समाज का अपना अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल है आज तहँ लकड़ी का पूल स्थित रजिस्ट्री कार्यालय इस सभागृह का पंजीकरण अग्रवाल समाज तेलंगाना के नाम पर किया गया । इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ,उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल,मीडिया कमिटी चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल ,पवन डोकानिया ,एडवोकेट अंकित अग्रवाल,विमल डालिया,राकेश रासीवाला,नीलम कासट,सब रजिस्टार नागराज उपस्थित थे ।अग्रवाल समाज के अध्यक्ष ने सभी समाज के सभी अग्रवाल बंधुओं को इस नए सभा गृह की बधाई दी और भविष्य में समाज के लिया उपयोगी कुछ और सम्पत्ति जोड़ने के इच्छा व्यक्त की !

उन्होंने बताया कि पुराने कार्यालय का सौन्दर्यकरण किया जा रहा और इस नए सभा ग्रह का सौन्दर्यकरण कार्य कल से आरम्भ किया जाएगा। अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभी दान दाताओं का धन्यवाद किया ।

अत्तापुर में उल्लास के साथ मनाया गया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

हैदराबाद
(एजन्सी)

,मंगलवार को अतापुर के रामबाग राम मंदिर प्रांगण में भगवान परशुराम भक्त मंडल के तत्वावधान में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बड़े उल्लास के साथ मनाया गया इस मौके पर काला हनुमान मंदिर के सामने से भव्य रूप से भगवान परशुराम की शोभायात्रा का आयोजन किया गया जो अत्तापुर क्षेत्र के मुख्य मार्गो से होते हुए निकाली गई जिसमें अनेक महिलाओं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया यह संपूर्ण आयोजन सुदर्शन प्रसाद तिवारी , अशोक शर्मा, शशिकांत शर्मा के के नेतृत्व में किया गया 1 भगवान परशुराम जन्मोत्सव के सफल आयोजन में भाजपा नेता सुदर्शन प्रसाद तिवारी , शशिकांत शर्मा ,अशोक शर्मा, शोभा पाण्डेय , राम कुमार तिवारी , संदीप कुमार तिवारी , नवनीति व्यास , गोविंद ओझा , राजेश शर्मा , विमल खंडेलवाल, मूलचंद शर्मा ,पन्नालाल शर्मा, अशोक शर्मा ,बाबूलाल जोशी , राजेश्वरी शर्मा, पार्वती शर्मा, शोभा शर्मा, शाहित अनेक सनातनी भक्तों ने अनेक तरह की सेवाएं दी कार्यक्रम का संचालन दिनेश शर्मा ने किया1

इस अवसर पर मंडल की ओर से भाजपा नेता मल्ला रेड्डी कौमार्य, सुलगी वेंकटेश ,सबदा विजय कुमार , सुरेश मोदी , बाबूलाल जोसी, विमल शर्मा ,नवरत्न इंदौरिया , गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सरदार चेतन सिंह, साइ बाबा मंदिर के प्रभारी सुधाकर रेड्डी (स्टार राजू), वेंकट , राजू पहलवान , वासु , विजय स्वामी , मुकेश बरादर , राजेंद्र अग्रवाल ,श्याम अग्रवाल, बालू सुब्रमण्यम, देहाती विश्वनाथ ,पवन कुमार भारती तथा अनेक गणमान्य लोगों का साफा, एवं मोमेंटो देकर सम्मान किया गया ।इस विशाल कार्यक्रम में अनेक महिलाओं एवं गणमान्य लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

राजस्थानी महिला मंडल द्वारा 10 दिवसीय समर कैंप का आयोजन

नागपुर
(एजेंसी),

राजस्थानी महिला मंडल में आयोजित 10 दिवसीय समर कैंप में चालीस बच्चों ने भाग लिया।समर कैंप के नवें दिन बच्चों को रुपये की अहमियत सिखाने के उद्देश्य से बच्चों के द्वारा मंडल में गेम्स और फूड के स्टॉल लगवाए गए ।जिसमें बच्चों के साथ उनके पैरेंट्स ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था ,आए हुए सभी लोगों ने बच्चों द्वारा खिलाएंगे गेम्स और फ़ूड की बहुत तारीफ़ की ।मंडल का उद्देश्य भी बच्चे और बड़े को प्रोत्साहित करने और आगे बढ़ाने का है। समर कैंप की सफलता के लिए अध्यक्ष सुषमा डांगरा और सचिव सरोज सोमानी ने सभी संयोजिकाओं ललिता मंत्री ,वीणा गट्टानी,ज्योति मंत्री ,दीपाली तुलसी नंदन और अंजू महेश्वरी को धन्यवाद दिया और साथ ही पूजा मंत्री को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने इस कार्य में अपना पूरा सहयोग दिया ।

स्टॉल लगाने वाले बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी मंडल द्वारा दिया गया साथ ही बच्चों के लिए खुल जा सिम सिम वाला फ्री स्टॉल भी रखा गया था ,जिससे सभी बच्चों को गिफ़्ट मिल सके ऐसा प्रावधान किया गया ।सभी बोर्ड मेंबर्स और मंडल की बहनों की उपस्थिति से स्टॉल की शोभा देखते ही बन रही थी । प्रचार मंत्री रश्मि चांडक द्वारा यह जानकारी दी गई।

कलबुर्गी में वचन मंडप का निर्माण -डॉ. शरणप्रकाश पाटिल

कलबुर्गी
(एजन्सी),

जिला प्रशासन, जिला पंचायत, महानगर पालिका, कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग तथा जयंतोत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को कलबुर्गी में महान मानवतावादी, समाज सुधारक एवं क्रांतिकारी बसवण्णा की जयंती धूमधाम से मनाई गई।

कलबुर्गी में राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने बसवेश्वर की अश्वारोही प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फिरसमारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कलबुर्गी में एक वचन मंडप बनाया जाएगा, जिससे पूरी दुनिया को बसवण्णा और बसवादी शरणों के वचनों से परिचित कराया जाएगा, जो अपने पूरे जीवन में बारहवीं शताब्दी में एक जातिविहीन, समतावादी समाज बनाने के लिए प्रयासरत रहे। राज्य सरकार के 2024-25 के बजट में इसकी घोषणा की गई थी

और मुख्यमंत्री ने तत्काल निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन नीला नक्शा तैयार करने पर काम कर रहा है। कर्नाटक राज्य नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष बी.आर. पाटिल ने कहा कि बसवण्णा जिन्होंने श्रमिक वर्ग का सम्मान किया और उससे प्रेम किया। निम्न वर्गों को अपनाया और अंतर्जातीय विवाहों द्वारा जाति को नष्ट किया।उन्होंने न केवल एक सामाजिक क्रांति की शुरुआत की, बल्कि अधिनायकवाद का संदेश भी फैलाया। उन्होंने कहा कि बसवादी शरणों द्वारा रचित सभी वचन सार्वजनिक जीवन में रहने वालों के लिए प्रेरणादायी हैं।

श्रीशैलम सारंग मठ के जगद्गुरु डॉ. सारंगधर देशिकेन्द्र महास्वामी कार्यक्रम में दिव्य उपस्थिति किया और छह सूत्री ध्वज फहराकर आशीर्वचन दिया। विधायक अल्लमप्रभु पाटिल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विधायक एवं जयंतीत्सव समिति के अध्यक्ष एम.वाई. पाटिल,विधान परिषद विधायक बी.जी.पाटिल, तिप्पणप्पा कमकनूर, शशिल जी. नमोशी, कर्नाटक पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के सदस्य शरणु मोदी, जिलाधिकारी बी. फौजिया तरन्नुम, शहर पुलिस आयुक्त डॉ. एस.डी. शरणप्पा, पुलिस अधीक्षक अद्दुर श्रीनिवासलू, जिला पंचायत के सीईओ भंवर सिंह मीना, महानगर पालिका आयुक्त अविनाश शिंदे सहित जिला स्तरीय अधिकारी, विभिन्न सामुदायिक नेता और आमजन ने भाग लिया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रायप्पा हुनसागी ने स्वागत किया।

सोमशेखर हीरेमठ ने धन्यवाद अर्पित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीशैल गूली ने किया। सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. दुर्गादास ने विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ जिला निर्वाचन अधिकारी का पुरस्कार प्राप्त करने वाली जिला कलेक्टर बी. फौजिया तरन्नुम एवं यू.पी.एस.सी. परीक्षा में 982वीं रैंक हासिल करने वाले डोरजम्बगा गांव के युवक मोहन कुमार के माता-पिता को उनकी उपलब्धियों के सम्मान में सम्मानित किया गया।

हिंदू एकता यात्रा का पोस्टर आरएसएस और वीएचपी नेताओं ने किया विमोचन

करीमनगर
(एजन्सी),

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के नेतृत्व में हर साल आयोजित होने वाली हिंदू एकता यात्रा को इस बार भव्य और अभूतपूर्व तरीके से आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में 22 मई को करीमनगर में "हिंदू एकता यात्रा" आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। आयोजकों का अनुमान है कि इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे, और वे इसके लिए आवश्यक सभी तैयारियाँ शुरू कर चुके हैं।

बुधवार को करीमनगर में "हिंदू एकता यात्रा" का पोस्टर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करीमनगर विभाग के सह संघ चालक डॉ. सी.एच. रमणाचारी और विश्व हिंदू परिषद के करीमनगर जिला अध्यक्ष ई. मधुसूदन राव ने विमोचित किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक बोडिगे शोभा, पूर्व मेयर यदगिरी सुनील राव, डी. शंकर, वासाला रमेश, पूर्व डिप्टी मेयर गुग्गिल्लापु रमेश, पूर्व कॉर्पोरेटर वंगल पवन कुमार, रमणारेड्डी, मामिडी चैतन्य, पुप्पाला रामू आदि शामिल हुए।हर

संसदीय क्षेत्र संयोजक बोइनिपल्ली प्रवीन राव, कन्नाबोइन ओदेलु, कोट्टे मुरलीकृष्ण, करीमनगर और जगित्याल जिला महासचिव ताल्लापल्ली श्रीनिवास गौड़, करंडला मधुकर, पुप्पाला रघु, नामपल्ली श्रीनिवास, एससी मोर्चा अध्यक्ष सोमिडी वेणु, बीजेपी मीडिया संयोजक कटकम लोकेश, सोल्लू अजय वर्मा, बंडा रमणारेड्डी, बलबीर सिंह, दासरी वर्ष हिंदुओं की एकता, शक्ति और स्वाभिमान को दर्शाने के लिए परंपरागत और भव्य रूप से बंडी संजय द्वारा करीमनगर में हिंदू एकता यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस बार इस यात्रा को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए विभिन्न जातीय, सामाजिक और आध्यात्मिक संगठनों के नेता भी भागीदार बन रहे हैं। हिंदू एकता यात्रा पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में शहर के पुरोहित मंगलमपल्ली श्रीनिवास शर्मा, MRPS जिला अध्यक्ष डंडू अंजय, ऑल इंडिया अंबेडकर युवा संगठन के राज्य महासचिव मेड़ी महेश, रेड्डी संघ अध्यक्ष जग्गा रेड्डी, कापू संघ अध्यक्ष बोंमराथी रामचंद्रम, पद्मशाली संघ जिला अध्यक्ष मेथुकु सत्यम, पोपा अध्यक्ष पोलु सत्यनारायण, वेलमा संघ अध्यक्ष जुव्वाड़ी वेणुगोपाल राव, यादव संघ के प्रमुख सचिव सत्यनारायण और प्रसाद, कुरमा संघ के प्रमुख सचिव आयलैय्या और राजू, वैश्य संघ जिला अध्यक्ष कन्ना कृष्णा, वैश्य सेवा केंद्र जिला अध्यक्ष चिदुर सुरेश, आर्य वैश्य युवक संघ जिला अध्यक्ष जडिगे साई कृष्ण, वासवी सेवा केंद्र निदेशक और आर्य वैश्य संघ जिला उपाध्यक्ष कैलाश नवीन, जिला राइस मिलर्स एसोसिएशन महासचिव तोडुपुनूरी करुणाकर, मेदारी संघ नगर अध्यक्ष रमेश, मारवाड़ी समाज प्रतिनिधि कमल मुंदड़ा, सिंधु समाज प्रमुख मोहनलाल, गुरुद्वारा कमेटी अध्यक्ष सरदूल सिंह, नाई ब्राह्मण जिला एवं नगर अध्यक्ष नीलम मोंडैया, कांदी वेंकटेश्वरलु, नेतकानी संघ के प्रमुख जाड़ी बालरेड्डी, गांडला संघ प्रमुख जक्कानी संपत, मेर संघ प्रतिनिधि पवन, रजक संघ प्रतिनिधि बालैया और कनकैय्या, बट्राजु संघ जिला अध्यक्ष मधुसूदन राजू आदि ने भाग लिया और कहा कि 22 मई को होने वाली हिंदू एकता यात्रा को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रूप से सफल बनाया जाएगा।

यूनाइटेड टीम ने ईएनसी अमजद हुसैन को दी बधाई

करीमनगर
(एजन्सी),

यूनाइटेड तेलंगाना एम्प्लॉयीज़ एसोसिएशन फॉर माइनॉरिटीज़(यू टीम) के एक प्रतिनिधिमंडल ने सिंचाई विभाग के इंजीनियर इन चीफ़ (एडमिन) मोहम्मद अमजद हुसैन से हैदराबाद में मुलाक़ात कर उन्हें ईएनसी के पद पर पदोन्नति मिलने पर बधाई दी। इस अवसर पर यूनाइटेड टीम के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद शेख निसार अहमद ने हज के लिए रवाना होने वाले सिंचाई विभाग के कर्मचारियों के लिए शीघ्र अनापत्ति प्रमाण पत्र(एनओसी) जारी करने का अनुरोध किया। साथ ही, उन्होंने मांग की कि विभाग द्वारा चुने गए राज्य हज इंस्पेक्टर्स को समय पर रिलीव कर ऑन ड्यूटी माना जाए।

यह उल्लेखनीय है कि हज के लिए रवाना होने वाले सरकारी कर्मचारियों को संबंधित विभाग से एनओसी प्राप्त करना अनिवार्य होता है। इस वर्ष हज यात्रियों के काफिलों की रवानगी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, इसके बावजूद कई विभागों ने अब तक अपने कर्मचारियों को एनओसी जारी नहीं किया है। यूनाइटेड टीम के अनुरोध पर ईएनसी सिंचाई मोहम्मद अमजद हुसैन ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विभाग के सभी हज यात्रियों को जल्द से जल्द एनओसी जारी करने और चयनित राज्य हज इंस्पेक्टर्स को रिलीव कर ऑन ड्यूटी माने जाने के आदेश देने का आश्वासन दिया। अवसर पर मोहम्मद असलम, सैयद असद, अयूब खान, सैयद बशीरुद्दीन, ख़्वाजा नजीबुद्दीन, ख़्वाजा मज़हरुद्दीन, नूर मोहम्मद, सैयद उस्मान, मुईज़, शेखर और अन्य लोग उपस्थित थे।

सहकारिता विभाग के सहायक रजिस्ट्रार डब्ल्यू.एस.रविचंद्र को भव्य विदाई

हैदराबाद
(एजेंसी),

सहकारिता विभाग में विभिन्न पदों पर 38 वर्षों तक सेवा देने के बाद के सहायक रजिस्ट्रार डब्ल्यू.एस.रविचंद्र सेवानिवृत्त हुए। सहकारिता विभाग के कर्मचारियों ने सहायक रजिस्ट्रार डब्ल्यू.एस.रविचंद्र को भव्य विदाई दी। आदिलाबाद के डीसीएमएस कॉन्फ्रेंस हॉल में विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला सहकारिता पदाधिकारी बी. मोहन ने कहा कि रविचंदर 38 वर्षों से सरकारी कर्मचारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। 38 वर्षों तक अनुशासन के साथ अपनी सेवा जारी रखने के लिए उनकी प्रशंसा की गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने विभाग के विकास के लिए कड़ी मेहनत की है। टीएनजीओ यूनियन आदिलाबाद जिला सचिव ए. नवीन कुमार ने कहा कि सहकारिता विभाग के कर्मचारियों को डब्ल्यू. वाई. रविचंदर को रोल मॉडल के रूप में लेने का सुझाव दिया गया।

इसके बाद उन्हें माला पहनाई गई और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला सहकारिता विभाग के संयुक्त रजिस्ट्रार और जिला सहकारी अधिकारी बी मोहन, टीएनजीओ यूनियन आदिलाबाद के जिला सचिव ए नवीन कुमार, डीसीएमएस प्रबंधक प्रमोद, सहायक रजिस्ट्रार शारदा, मुजफ्फर हुसैन, अरुणा, काला, अनीता, वरिष्ठ निरीक्षक विक्रांत संतोष, जलालू, आरती, सुजाता, लक्ष्मी प्रसन्ना, लक्ष्मी, नितिन, नईम, श्वेता, रामकृष्ण, दिरेश तौफीक, आशा ज्योति, सुनीता और अन्य ने भाग लिया।

तेलंगणा/ महाराष्ट्र /आंध्र प्रदेश /ओरिसा /कर्नाटक

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net